राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार,11अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -196 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्वे में हुआ खुलासाः

कोरोना के बीच मोदी के द्वारा उठाये कदमों को इतने फीसदी लोगों ने बताया सही

नई दिल्ली।

ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी देश में कोविड-19 महामारी से लडने् के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों से संतुष्ट है। हालांकि लोगों ने बहुत कठिनाइयों का भी सामना किया और कुछ तो अपनी जमीन, फोन और घड़ियां बेचने तथा पड़ोसियों से कर्ज लेने को भी मजबूर हुए। एक राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में यह खुलासा किया गया है। मीडिया संस्था गांव कनेक्शन द्वारा ग्रामीण भारत में किये गये राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण के अनुसार लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का समर्थन करने वालों में से 37 प्रतिशत ने कहा कि वे सरकार के काम से बहुत संतुष्ट हैं, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे केंद्र सरकार के कामकाज से कुछ हद तक संतुष्ट हैं। कुल मिलाकर 74 प्रतिशत लोगों ने केंद्र सरकार के कामकाज से संतोष जताया। सर्वे के अनुसार 78 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी-अपनी राज्य सरकारों के कामकाज से भी संतुष्ट हैं। गांव कनेक्शन ने सोमवार को सर्वे रिपोर्ट जारी की और बताया कि 30 मई से 16 जुलाई, 2020 के बीच हुए इस सर्वे में कुल 25,371 प्रतिभागियों का साक्षात्कार किया गया। उसके अनुसार सभी प्रतिभागी अपने अपने घरों के प्रमुख कमाने वाले थे, इस तरह यह सर्वे पुरुष प्रधान रहा और लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाता पुरूष ही रहे। हालांकि इसमें 20 फीसदी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। नयी दिल्ली स्थित सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीति-सीएसडीएस की टीम ने सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार की और इसका विश्लेषण किया। सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा, सर्वे की विविधता, व्यापकता और इसके सैंपल साइज के आधार पर मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह अपनी तरह का पहला व्यापक सर्वे है, जो ग्रामीण भारत पर लॉकडाउन से पड़े प्रभाव पर फोकस करता है। सर्वे में शामिल 14 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि वे मोदी सरकार से कुछ हद तक असंतुष्ट हैं, जबकि सिर्फ 7 प्रतिशत ने कहा कि वे सरकार के उपायों से बहुत ही अधिक असंतुष्ट हैं। सर्वे के अनुसार दस में से सात लोगों (73 प्रतिशत) ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार का प्रवासी मजदूरों के प्रति रवैया अच्छा रहा। इनमें से 29 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि सरकार का रवैया बहुत अच्छा रहा, वहीं 44 प्रतिशत ने कहा रवैया अच्छा रहा। सर्वे के अनुसार सिर्फ 23 फीसदी या हर चार में से एक प्रतिभागी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान सरकार की व्यवस्था खराब थी, जिसमें से 9 फीसदी ने बहुत खराब और 14 फीसदी ने इसे खराब कहा। इसमें 40 फीसद लोगों ने कहा कि लॉकडाउन बहुत कठोर था, जबकि 38 प्रतिशत ने कहा कि यह जरूरत के हिसाब से कठोर था। वहीं 11 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि लॉकडाउन को और कठोर होना चाहिए था। जबकि केवल 4 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने कहा कि लॉकडाउन बिल्कुल नहीं होना चाहिए था। सर्वे में राज्य सरकारों के बारे में भी लोगों की धारणा काफी सकारात्मक रही। 76 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकार का प्रवासियों के प्रति रवैया काफी अच्छा रहा, जबकि केवल 20 प्रतिशत ने इसे बुरा बताया। गांव कनेक्शनके प्रति रवैया काफी अच्छा रहा, जबकि केवल 20 प्रतिशत ने इसे बुरा बताया। गांव कनेक्शन ने कहा, च्दिलचस्प बात यह है कि भाजपा शासित राज्यों में लोग मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा किए गए कार्यों से कम प्रभावित दिखे। साथ ही, भाजपा शासित राज्यों में लोग, कांग्रेस शासित राज्यों की तुलना में प्रवासियों के प्रति मोदी और राज्य सरकार के रवैये से थोड़ा कम खुश दिखे।

राहुल गांधी ने 'करो या मरो को दिए नए मायने, बोले- अन्याय के खिलाफ डरो मत लड़ो

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह कभी कोरोना संकट तो कभी देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था पर अपनी राय रखते रहते हैं। अब इस बार उन्होंने 'भारत छोड़ो आंदोलन को लेकर अपनी राय रखी। राहुल गांधी ने शनिवार को 'भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर कहा कि अब महात्मा गांधी के नारे 'करो या मर को 'अन्याय के खिलाफ लड़ो, डरो मत के रूप में नए मायने देने होंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ पर गांधीजी के 'करो या मरो के नारे को नए मायने देने होंगे। अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ो, डरो मत। राहुल ने 'भारत छोड़ो आंदोलन की तस् वीर भी शेयर की जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। महात्मा गांधी ने आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। महात्मा गांधी एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। महात्मा गांधी

ने आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी।

राम जन्मभूमि आंदोलन की महिला सिपाही ने की रामलला की आरती, सुनाई वर्षों पुराने संघर्ष की पूरी कहानी

दमोह । वर्षों से राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी रहीं भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय सचिव डॉ सुधा मलैया राम मंदिर के भूमिपूजन में शामिल होने का मौका मिला। भूमिपूजन के बाद सुधा मलैया वापस अपने घर दमोह पहुंचीं, तो उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए अपने आंदोलन के दिनों की संघर्षों की बात पत्रकारों के बीच रखी। सारे देश से मंदिर भूमिपूजन के लिए कुछ ही लोगों को अयोध्या बुलाया गया था। जिसमें बीजेपी की पूर्व राष्ट्रीय सचिव और इतिहासकर डॉ सुधा को मलैया भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान श्री राम के दरबार में आरती करने का मौका मिला। गौरतलब है कि सुधा मलैया आडवाणी के जमाने से राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी रहीं है। यही वजह थी कि जहां सारे देश से चुनिंदा लोगों को रामजन्मभूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया था। उसी फेहरिस्त में दमोह से डॉ सुधा मलैया को भगवान श्री राम लला के दर्शन और आरती का सौभाग्य हासिल हुआ। अयोध्या से जब वे वापस दमोह पहुंचीं तो पत्रकारों से चर्चा करते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन के संघर्षों के दौरान की लम्बी चर्चा की। राम जन्मभूमि पूजन कार्यक्रम से दमोह वापसी पर जागरूक युवा संघ सेवा समिति के सदस्यों ने डॉ सुधा मलैया को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी। बता दें कि सुधा मलैया पूर्व मंत्री जयंत मलैया की पत्नी हैं। जो लंबे समय से राम मंदिर आंदोलन के साथ जुड़ी रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में भयंकर बेरोजगारी, आर्थिक तंगी से आत्महत्या कर रहे हैं लोगः` प्रियंका गांधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वार्डा ने यूपी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि उ.प्र. में भयंकर बेरोजगारी है। आर्थिक तंगी की वजह से लोग आत्महत्या को मजबूर हैं। सरकार बताए कि कितने युवाओं को रोजगार मिला है? प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा, 'हर साल इन्वेस्टर्स समिट में एमओयू साइन होते हैं। करोड़ों लगाकर इन समिट में ये काम कागजी शेर बनने के लिए किया जाता है। उप्र में भयंकर बेरोजगारी है और आर्थिक तंगी की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार को ये बताना चाहिए कितने एमओयू धरातल पर उतरे? कितने युवाओं को रोजगार मिला?' गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रियंका गांधी कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा को लेकर यूपी सरकार पर सवाल खड़ा कर चुकी हैं।

कोरोना का कहर- देश में मरीजों की संख्या 22 लाख पार, एक दिन में 1007 लोगों की मौत

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच इस बीमार से ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान 54 हजार से ज्यादा लोगों के स्वस्थ होने के बाद अब तक 15.35 लाख से अधिक मरीज कोरोना मुक्त हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 54,859 लोग वायरस से ठीक भी हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 15,35,743 हो गई है। इसी अवधि में 1007 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 44,386 हो गई।देश में सक्रिय मामलों की संख्या अब 6,34,945 हो गई है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1490 घटकर 1,45,865 हो गए तथा 390 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 17,757 हो गया। इस दौरान 13,348 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,51,710 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 1626 बढ़ने से सक्रिय मामले 87,112 हो गए हैं। राज्य में अब तक 2036 लोगों की मौत हुई है, वहीं 9097 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,38,712 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1208 बढ़ी है और यहां अब 80,981 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 107 बढ़कर 3198 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 93,908 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 145 कम होकर 53,336 हो गये हैं तथा 4927 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 2,38,638 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1713 बढ़ी है जिससे 47,890 सक्रिय मामले हो गए हैं तथा इस महामारी सक्रिय मामलों में इसके बाद बिहार का स्थान है, जहां यह संख्या 27,906 हो गई है। राज्य में 387 लोगों की मौत हुई है जबकि 51,158 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं।

राजस्थान में मचे सियासी घमासान

राजस्थान में मचे सियासी घमासान के बीच राहुल-प्रियंका से मिले सचिन पायलट

नई दिल्ली।

राजस्थान विधानसभा के प्रस्तावित सत्र से कुछ दिनों पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल एवं प्रियंका से इस मुलाकात में पायलट ने विस्तार से अपना पक्ष रखा और फिर पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं ने उनकी चिंताओं के निदान का भरोसा दिलाया। पायलट से मुलाकात से पहले राहुल गांधी और प्रियंका ने करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की । बाद में दोनों राहुल गांधी के आवास से निकले और किसी अन्य स्थान पर जाकर पायलट से मिले। यह मुलाकात विधानसभा सत्र आरंभ होने से कुछ दिनों पहले हुई है और अब राजस्थान में कांग्रेस के भीतर पिछले कुछ हफ्तों से चली आ रही उठापठक थमने की उम्मीद है । राजस्थान विधानसभा के प्रस्तावित सत्र से कुछ दिनों पहले तेज हुई सियासी हलचल की पृष्ठभूमि में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के आवास पर कांग्रेस के दोनों नेताओं ने बैठक की। माना जा रहा है कि दोनों ने अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत करने वाले पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों तथा आगे के कदमों के बारे में चर्चा की। ऐसी खबरे हैं, पायलट एक बार फिर से कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के संपर्क में हैं और जल्द ही कोई समाधान निकल सकता है। हालांकि, पायलट खेमे और कांग्रेस की तरफ से इसकी आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि 14 अगस्त से राजस्थान विधानसभा का सत्र आरंभ होगा जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बहुमत साबित करने का प्रयास करेंगे। उधर, पायलट और बागी विधायकों के साथ बातचीत और सुलह के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हमने पहले भी कहा है और आज भी कह रहे हैं कि अगर पायलट और दूसरे बागी विधायक सरकार को अस्थिर करने के प्रयास के लिए माफी मांग लें तो पार्टी उन्हें फिर से अपनाने पर विचार कर सकती है। मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ खुलकर बगावत करने और विधायक दल की बैठकों में शामिल नहीं होने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने पायलट को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री के पदों से हटा

दिया था।

बागी रुख अपनाने के साथ ही पायलट कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि वह भाजपा में शामिल नहीं होंगे। उनके समर्थक विधायकों का कहना है कि वे गहलोत के नेतृत्व में काम करने के इच्छुक नहीं हैं। पिछले कई हफ्तों से चल रहे सियासी घटनाक्रम के बीच कांग्रेस ने बार-बार दोहराया है कि अशोक गहलोत सरकार के पास 100 से अधिक विधायकों का समर्थन है और उसके ऊपर कोई खतरा नहीं है।

कनिमोझी मामले पर आया कांग्रेस नेता चिदंबरम का बयान, बोले-मैं भी झेल चुका हूं ऐसा अनुभव

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों को देश की आधिकारिक भाषा बनाना चाहती है तो उसे अपने कर्मचारियों को इन दोनों भाषाओं की जानकारी रखने वाला बनाने पर जोर देना चाहिए। पूर्व गृह मंत्री ने चेन्नई हवाई अड्डे पर द्रमुक सांसद कनिमोई के हिंदी में बातचीत नहीं करने पर एक सीआईएसएफ अधिकारी द्वारा कथित तौर विवादित टिप्पणी किए जाने से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में यह बात कही है। चिदंबरम ने कहा कि कनिमोई को चेन्नई हवाई अड्डे पर जिस कड़वे अनुभव का सामना करना पड़ा है वो कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया, ''केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती होने वाले गैर हिंदीभाषी कर्मचारियों को जल्द ही कामकाज और बोलचाल के लायक की हिंदी सीखनी पड़ती है। हिंदी भाषी कर्मचारी कामकाज और बोलचाल के लायक अंग्रेजी क्यों नहीं सीख सकते? कांग्रेस नेता ने कहा, ''अगर केंद्र सरकार हिंदी और अंग्रेजी दोनों को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने को प्रतिबद्ध है तो फिर उसे इस बात पर जोर देना चाहिए कि केंद्र सरकार के सभी कर्मचारी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं के जानकार हों। गौरतलब है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोई ने रविवार को ट्वीट किया '' आज हवाई अड्डे पर जब मैंने सीआईएसएफ की एक अधिकारी से कहा कि वह तमिल या अंग्रेजी में बोलें क्योंकि मैं हिंदी नहीं जानती, तब उन्होंने मुझसे सवाल किया कि क्या 'मैं भारतीय हूं। सांसद ने हैशटैग 'हिंदी थोपना का इस्तेमाल करते हुए ट्विटर पर लिखा, '' मैं जानना चाहूंगी ।

कब से भारतीय होना हिंदी जानने के समान हो गया है इस घटना पर सीआईएसएफ ने कहा कि उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ को लेकर पीएम मोदी की बैठक, बाढ़ग्रस्त राज्यों के सीएम के साथ स्थिति पर मंथन

नेशनल डेस्क। देश के कई हिस्सों में बाढ़ से हालात बेकाबू हुए पड़े हैं। बाढ़ से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं सोमवार को प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ग्रस्त सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की और बाढ़ की स्थिति पर समीक्षा की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बाढ़ के लिए पूर्वानुमान एवं चेतावनी प्रणाली में सुधार के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया। जानकारी दी कि पीएम मोदी ने बाढ़ग्रस्त छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की और वहां की स्थिति की जानकारी ली। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से बातचीत के दौरान बाढ़ के पूर्वानुमान के वास्ते स्थायी व्यवस्था के लिए केंद्र एवं राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। जानकारी देते हुए बताया कि देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून और बाढ़ की वर्तमान स्थिति से निपटने के वास्ते तैयारियों की समीक्षा के लिए असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल बैठक में शामिल हुए। जानकारी देते हुए बताया कि देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून और बाढ़ की वर्तमान स्थिति से निपटने के वास्ते तैयारियों की समीक्षा के लिए असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल बैठक में शामिल हुए।

संजय राउत के बयान से भड़का सुशांत का परिवार, खटखटाएंगे अदालत का दरवाजा

नेशनल डेस्क । शिवसेना नेता संजय राउत के बयान पर अब अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के परिवार की तरफ से प्रतिक्रिया आई है। सुशांत सिंह राजपूत के पिता से संबंध व पिता की दूसरी शादी को लेकर शिवनेता नेता संजय राउत के बयान पर सुशांत के चचरे भाई व बीजेपी विधायक नीरज कुमार बबलू ने आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने कहा है कि कि इसके लिए वे अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। सुशांत के भाई नीरज का कहना है कि संजय राउत ने सुशांत के पिता की दो शादियों की बात कही थी जो गलत है। शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा था किया कि उनके सुशांत के अपने पिता से संबंध अच्छे नहीं थे। पिता ने दूसरी शादी कर ली थी जिस सुशांत ने स्वीकार नहीं किया था। उसी पिता को बरगलाकर बिहार में एक एफआईआर दर्ज कराई गई व मुंबई में घटे गुनाह की जांच करने के लिए बिहार की पुलिस मुंबई आई। उन्होंने कहा कि संजय राउत ने कहा कि मुंबई पुलिस पर आरोप लगाकर बिहार सरकार ने केंद्र से सीबीआई जांच की मांग की। 24 घंटे के अंदर यह मांग मान भी ली गई। राउत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सीबीआई के कंधे पर बंदूक रखकर महाराष्ट्र सरकार को निशाना बनाने की साजिश रच रही है। राउत का कहना है कि सीबीआई स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। जिनकी सरकार केंद्र में होती है, सीबीआई उनकी ताल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से लेकर ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं पर बीते कुछ वर्षों में सवालिया निशान लग चुके हैं। शिवसेना नेता ने कहा कि सुशांत मामला कुछ और समय मुंबई पुलिस के हाथ में रहा होता तो आसमान नहीं टूट जाता। उन्होंने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत केस को लेकर बिहार और दिल्ली में जिस तरह की राजनीति की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शोध पर संकट

कोरोना के समय सर्वाधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में शोध-अनुसंधान का क्षेत्र प्रमुखता से शामिल है। ज्यादातर शोध परियोजनाएं लंबित हो गई हैं, तो कुछ को किसी तरह ऑनलाइन सहयोग के दम पर पूरा करने की कोशिश हो रही है। शोध की कई बड़ी परियोजनाएं अपने समय से पिछड़ गई हैं। यात्रा सुविधा के अभाव में शोध में अंतरराष्ट्रीय सहयोग-समन्वय में कमी आई है। वैज्ञानिक न सिर्फ विदेश की, बल्कि अपने देश के अंदर भी जरूरी अनुसंधान यात्राएं नहीं कर पा रहे हैं। दशकों से चल रही कई शोध परियोजनाएं पटरी से उतर चुकी हैं। विशेष रूप से अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में इस मामले में स्थिति ज्यादा बिगड़ी है। गौर करने की बात है, साल 1991 के बाद से दुनिया में शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग की बुनियाद मजबूत हुई थी। विज्ञान शोध को समर्पित पत्रिका नेचर की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल शोध परियोजनाओं में से एक चौथाई अंतरराष्ट्रीय सहयोग-समन्वय से ही चल रही थीं। देशों के बीच परस्पर आना-जाना आसान हुआ था। भूमंडलीकरण से शोध या विज्ञान के लिए आबंटित राशि का व्यापक उपयोग हो रहा था। इसका फायदा विज्ञान, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ-साथ समाज को भी हो रहा था, लेकिन कोरोना ने जीवन व पूरे कार्य-व्यापार को उलट-पलटकर रख दिया है। कोरोना से पहले के तीस वर्ष में शोध ने देशों की सीमाओं को बेकार साबित कर दिया था। मिलकर किए गए शोध या शोध पत्रों की संख्या में विकसित देशों ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी में 10 गुना वृद्धि हुई थी, जबकि ब्राजील, रूस, भारत, चीन में यह वृद्धि 20 गुना थी। दिलचस्प बात है कि अमेरिका और चीन के बीच विश्व में शोध सहयोग सर्वाधिक था। दोनों देश किसी भी अन्य देश की तुलना में एक दूसरे को ज्यादा साझीदार बनाते थे, पर कोरोना के समय दोनों देशों के बीच जो तनाव बढ़ा है, उसने शोध विकास पर गहरा प्रहार किया है। शोधकर्ता अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहे हैं कि संकट काल में शोध-सहयोग और शोध उत्पादकता प्रभावित न हो, लेकिन खास तौर पर विकासशील देशों को बड़ा झटका लगा है। ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता कैरोलीन वगनेर बताती हैं, '90 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान निजी रूप से वैज्ञानिकों के आमने-सामने आने पर ही शुरू होते हैं, पर यह काम अब मुश्किल व जोखिम भरा हो गया है। वर्चुअल माध्यमों का सहारा लेते हुए भी हमें मानना पड़ेगा कि वर्चुअल जुड़ाव कभी प्रत्यक्ष जुड़ाव की जगह नहीं ले सकता'। लगभग सभी वैज्ञानिक मानने लगे हैं कि वर्चुअल संपर्क ज्यादा जरूरी हो गया है। अब वे वैज्ञानिक ज्यादा फायदे में रहेंगे, जो मुखर होंगे। संकोच छोड़ आगे बढ़कर साझीदारी में अपने अनुसंधान को आगे बढ़ाने में ही भलाई है। कई शोधकर्ता इस समय का सदुपयोग अपने निजी अध्ययन को दुरुस्त करने के लिए भी कर रहे हैं, अपने पिछले काम या शोध में कमियां भी खोज रहे हैं। होमवर्क बढ़ गया है और जैसे ही कोरोना काबू में आएगा, वैज्ञानिकों का फील्डवर्क तेज हो जाएगा। कोई आश्चर्य नहीं, दुनिया के लोगों की निगाह अभी सिर्फ कोरोना की दवा पर टिकी है। दूसरे अनुसंधान ज्यादा ध्यान नहीं खींच पा रहे। दुनिया के ज्यादातर वैज्ञानिक मान रहे हैं कि शोध में कम से कम इस साल तेजी नहीं लौटेगी। विज्ञान की दुनिया का 'न्यू नॉर्मल' अभी दूर है।

कोरोना काल में सादगी की शादियों को राह

क्षमा शर्मा

हाल ही में एक शादी के बारे में पढ़ रही थी, जिसमें वर-वधू पक्ष के दस से कम लोग शामिल हुए। न कोई बैंड, न बाजा, न बारात, न सैकड़ों व्यंजनों की भरमार। कोरोना काल में शादियों में मेहमानों की संख्या पचास तक सीमित कर दी गई है। हालांकि कई स्थानों पर इसका पालन नहीं भी किया जाता। पिछले दिनों बिहार में एक ऐसी ही शादी हुई थी, जिसमें शामिल बहुत से लोग कोरोना संक्रमित हो गए। दूल्हे की अगले दिन मृत्यु भी हो गई। अपने यहां शादी के खर्चे से परिवार वाले सहम जाते हैं। लड़कियों को जन्म से पहले दुनिया में न आने की प्रविधियां इसलिए भी दिखाई देती हैं कि न लड़की पैदा होगी, न उसकी शादी में दान-दहेज देना पड़ेगा। इन दिनों जब लड़कियां खूब पढ़ती-लिखती हैं, तब भी उनकी शादी में खर्चा कम नहीं होता, बल्कि बढ़ता ही जाता है। कहां तो शादी की एक दावत और एक समारोह से काम चल जाता था लेकिन अब रिंग सेरेमनी से लेकर शादी तक कई-कई बड़े कार्यक्रम किए जाते हैं। बहुत से लोग शादी को यादगार बनाने के लिए अनाप-शनाप खर्च करते हैं। पढ़े-लिखे नौजवानों में इन बातों का विरोध दिखाई देता हो, ऐसा भी नहीं है। बात तो यह कही जाती है कि शादी तो जीवन में एक बार ही होती है, इसलिए उसे हर तरह से यादगार बनाया जाना चाहिए। इसे यादगार बनाने के चक्कर में कर्जा लेना पड़े तो भी कोई गम नहीं। मशहूर अभिनेता, अभिनेत्रियां अपनी शादी में कैसे कपड़े पहनते हैं, किस डिजाइनर से डिजाइन करवाते हैं, कौन सा बैंड लाते हैं, किन होटलों में पार्टी होती है, सजावट के फूल कहां से आते हैं, शादी में कौन सा अभिनेता नाचता है, इन सब बातों की नकल करने की कोशिश की जाती है। मीडिया भी इन्हें खूब बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है। जब से पेज थ्री कल्चर की शुरुआत हुई है तब से ऐसी बातें छाई रहती हैं। सादगी अब किसी को लुभाती नहीं है। कई बार तो ऐसा होता है कि लड़के वाले मांग करते हैं कि शादी के समारोह किन-किन होटलों में होने चाहिए। कपड़े, तथा अन्य सामान कहां से खरीदा जाए। दूसरी तरफ होने वाली वधुएं भी खूब शर्तें लगाती हैं। दिलचस्प यह है कि जो विवाह लड़के-लड़की अपनी पसंद से करते हैं, उनमें भी ये खर्चे कम नहीं होते। वे एक तरह से माता-पिता की रजामंदी के नाम पर अरेंज्ड मैरिज में बदल जाते हैं। जितना दहेज का विरोध हुआ है, दिखावे की आलोचना हुई है, दहेज विरोधी 498-ए जैसा कठोर कानून भी है, मगर ये सब बातें रुकी नहीं हैं। हालांकि हम यह भी जानते हैं कि जिन लोगों की नजरों में आप किसी घटना को यादगार बनाने के चक्कर में रहते हैं, अक्सर उनके लिए इसका कोई महत्व नहीं होता। एक दुखद पहलू यह है कि जिन शादियों के बारे में कहा जाता है कि वे तो बस एक बार ही होती हैं , वे इन दिनों टूटती भी बहुत जल्दी हैं। हर साल तलाक के मामलों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की ही जा रही है। कई बार तो लोग हनीमून से लौटते ही तलाक की अर्जियां देने लगते हैं। इनमें बहुत से ऐसे होते हैं जो सालों तक किसी सम्बंध में रहने के बाद विवाह का फैसला करते हैं। तब अचानक ऐसा क्या होता है कि सालों तक रिलेशनशिप में थे, खूब खर्च करके विवाह बंधन में बंधे भी, लेकिन शादी टूटने में एक महीना भी नहीं लगा और कहने लगे कि दोनों एक-दूसरे के लिए बने ही नहीं हैं। पिछले दिनों एक मित्र ने अपनी एक परिचित महिला की कहानी सुनाई। उसने बताया कि उसकी मित्र की लड़की ने अपने बचपन के दोस्त से शादी की थी। दोनों अच्छी नौकरियों पर भी थे। इसलिए उन्होंने अपनी सारी बचत शादी पर खर्च कर दी। दोनों के माता-पिता का भी बहुत पैसा खर्च हुआ। विवाह समारोह पांच दिन चले। सबके सब बड़े फाइव स्टार होटल्स में। हनीमून पर वर्ल्ड टूर पर भी गए लेकिन शादी दस महीने भी नहीं चली। दोनों के माता-पिता ने समझाने की कोशिश की लेकिन उन्होंने कहा कि वे अपने फैसले पर अडिग हैं। साथ नहीं रह सकते तो नहीं रह सकते। खैर, दोनों अलग हो गए। लड़की अपने माता-पिता के पास रहने आ गई। बाद में दूसरे शहर में जाकर नौकरी करने लगी। इस बीच उसके पिता रिटायर हो गए। छह सालों बाद उसे एक और लड़का पसंद आ गया। पहले तो लड़के के घर वालों ने विरोध किया क्योंकि लड़की तलाकशुदा थी। लेकिन बाद में वे मान गए। लेकिन उन्होंने भी चाहा कि शादी खूब धूमधाम से की जाए। लड़की ने जब अपने माता-पिता को यह बात बताई तो वे परेशान हो उठे। इतने पैसे अब कहां थे। रिटायर हो चुके थे। बचत का बड़ा हिस्सा लड़की की पहली शादी में खर्च हो गया था। जब उन्होंने यह बात लड़की को बताई तो वह छूटते ही बोली-क्या आप लोग नहीं चाहते कि मैं खुश रहूं। जब मां ने अपनी मुश्किल बताई, कहा कि अब पैसे नहीं हैं, तो लड़की बोली - इतने बड़े फ्लैट में रहने की क्या जरूरत है। छोटा फ्लैट ले लो। बेचकर शादी लायक पैसे मिल जाएंगे। लड़की के मुंह से यह बात सुनकर मां दंग रह गई। उसे अफसोस भी हुआ कि बजाय इसके कि लड़की सादगी से शादी के लिए लड़के को मनाती और वह अपने घर वालों को, वह एक तरह से माता-पिता को सता रही थी। उसकी मां ने अपनी मित्र से कहा कि लोग सोचते हैं कि दूसरी शादी करना बहुत आसान है लेकिन वे ही इस बात को जानते हैं, जिन्हें यह सब भुगतना पड़ता है। इस उदाहरण से घर वालों की त्रासदी को समझा जा सकता है। स्टेटस के नाम पर दिखावा हमारे जीवन का इतना बड़ा अंग हो गया है कि अच्छा-बुरा कुछ नहीं सूझता। आजकल जैसी शादियां हो रही हैं, चाहे कोरोना की मजबूरी के कारण ही, उन्हें हमेशा के लिए क्यों नहीं अपनाया जा सकता। जितना खाना बनता है, उससे ज्यादा बिगड़ता है। इस पैसे से न जाने कितने जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

जाँच

सुशांत की मौत के बाद बॉलीवुड की गंदगी एक-एक कर के सामने आ रही है, अब जब बात चल ही पड़ी है तो गन्दगी फैलाने वाले महारथियों को भी खंगालना चाहिए कई वर्षों से कुछ गैंग ने बॉलीवुड को अपने बाप की बपौती समझ ली है, इस गैंग की भी CBI जाँच अनिवार्य है.

--अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

स्वार्थ छोड़िए

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक छोटे बच्चे के रूप में, मैंबहुत स्वार्थी था, हमेशा अपने लिए सर्वश्रेष्ठ चुनता था। धीरे-धीरे, सभी दोस्तों ने मुझे छोड़ दिया। मैंने नहीं सोचा था कि यह मेरी गलती थी और मैं दूसरों की आलोचना करता रहता था, लेकिन मेरे पिता ने मुझे जीवन में मदद करने के लिए 3 दिन 3 संदेश दिए। एक दिन, मेरे पिता ने हलवे के 2 कटोरे बनाए और उन्हें मेज पर रख दिया। एक के ऊपर 2 बादाम थे, जबकि दूसरे कटोरे में हलवे के ऊपर कुछ नहीं था फिर उन्होंने मुझे हलवे का कोई एक कटोरा चुनने के लिए कहा क्योंकि उन दिनों तक हम गरीबों के घर बादाम आना मुश्किल था..मैंने 2 बादाम वाले कटोरा को चुना! मैं अपने बुद्धिमान विकल्प/ निर्णय पर खुद को बधाई दे रहा था परंतु मेरे आश्चर्य का ठिकाना नहीं था जब मैंने देखा कि की मेरे पिता वाले कटोरे के नीचे 8 बादाम छिपे थे! बहुत पछतावे के साथ, मैंने अपने निर्णय में जल्दबाजी करने के लिए खुद को डांटा। मेरे पिता मुस्कुराए और मुझे यह याद रखना सिखाया कि आपकी आंखें जो देखती हैं वह हरदम सच नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यदि आप स्वार्थ की आदत को अपनी आदत बना लेते हैं तो आप जीत कर भी हार जाएंगे। अगले दिन, मेरे पिता ने फिर से हलवे के 2 कटोरे पकाए और टेबल पर रखे एक कटोरा के शीर्ष पर 2 बादाम और दूसरा कटोरा, जिसके ऊपर कोई बादाम नहीं था। फिर से उन्होंने मुझे अपने लिए कटोरा चुनने को कहा। इस बार मैंने शीर्ष पर बिना किसी बादाम कटोरी को चुना परंतु मेरे आश्चर्य करने के लिए इस बार इस कटोरे के नीचे एक भी बादाम नहीं छिपा था! फिर से, मेरे पिता ने मुस्कुराते हुए मुझसे कहा, 'मेरे बच्चे, आपको हमेशा अनुभवों पर भरोसा नहीं करना चाहिए क्योंकि कभी-कभी, जीवन आपको धोखा दे सकता है, बस अनुभव को एक सबक अनुभव के रूप में समझें। तीसरे दिन, मेरे पिता ने फिर से हलवे के 2 कटोरे पकाए, एक कटोरा ऊपर से 2 बादाम और दूसरा शीर्ष पर कोई बादाम नहीं। मुझे उस कटोरे को चुनने के लिए कहा जो मुझे चाहिए था। लेकिन इस बार, मैंने अपने पिता से कहा, पिताजी, आप पहले चुनें, आप परिवार के मुखिया हैं और आप परिवार में सबसे ज्यादा योगदान देते हैं। आप मेरे लिए जो अच्छा होगा वही चुनेंगे। मेरे पिता मेरे लिए खुश थे।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क — राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला — व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

पवित्रता से परमार्थ की कामना ही प्रार्थना

नरपत दान बारहठ

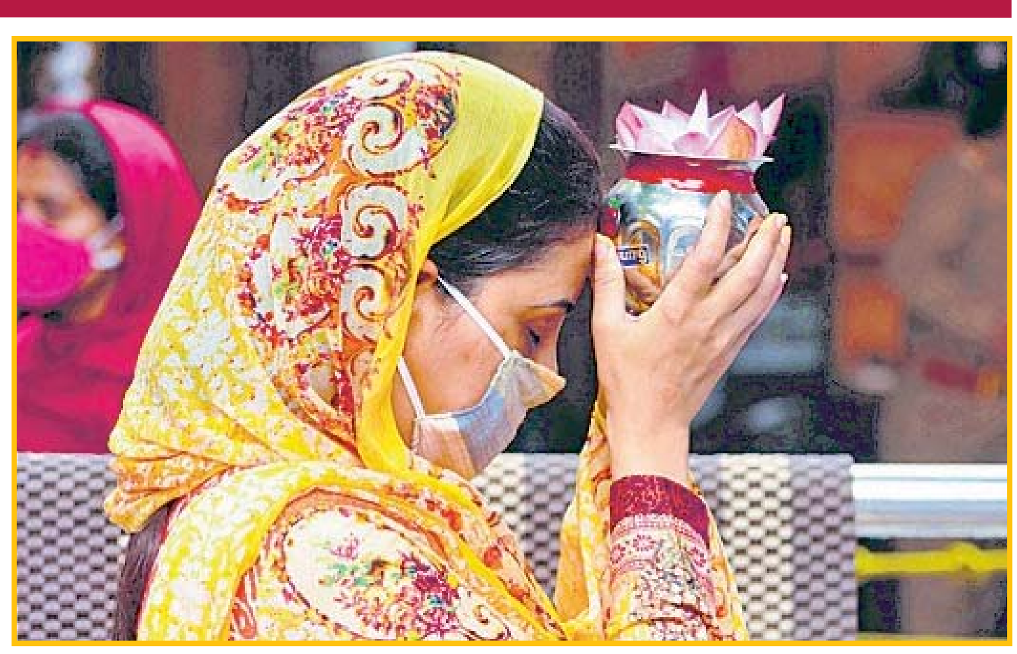

हर कोई प्रार्थना तो करता ही है। प्रार्थना के लिए ही मन्दिर, मस्जिद, गिरजा बने हैं। वैसे प्रार्थना के लिए भौतिक स्थान से ज्यादा जरूरी है- हृदय का स्थान, त्याग और प्रेम। अक्सर लोग अपने हिसाब से प्रार्थना करते हैं। यानी प्रार्थना का रूप भिन्न होता है। कोई धन के लिए, कोई यश के लिए, कोई स्वास्थ्य के लिए, कोई सुख के लिए याचना करता है, और कहता है-मैंने प्रार्थना कर ली है। यह ठीक नहीं है। फिर कोई सोचता है कि प्रार्थना में भावना प्रधान होती है। यानी प्रार्थना के लिए भावना कैसी, कितनी पवित्र और प्रबल है, यह जरूरी है। लगभग हर आदमी के लिए प्रार्थना के मायने अलग-अलग हैं। अब मूल प्रश्न सामने आता है कि सही अर्थ में प्रार्थना के मायने क्या हैं? क्योंकि हर कोई प्रार्थना करता तो है, लेकिन हर कोई प्रार्थना के मायने नहीं जानता। प्रार्थना महज पवित्र भावना नहीं है। भावना मन की होती है। प्रार्थना के लिए भाव तत्व एक अंश है, लेकिन यह पूर्णता नहीं है। हृदय में पूर्ण तत्वों के समाहार बिना प्रार्थना पूर्ण नहीं है और ना ही वह स्वीकार्य है। जैसे कि कोई व्यक्ति एक रास्ते से निकल रहा है। उसी रास्ते के किनारे पर कोई घायल व्यक्ति गिरा पड़ा है, तड़प रहा है, अगर वह इनसान उसे देखकर भी अनदेखा कर आगे निकल गया, तो वह एक प्रार्थना शून्य हृदय है। लेकिन अगर प्रार्थना से पूर्ण हृदय वाला कोई उस रास्ते से गुजरेगा तो वह रुकेगा, उस घायल के पास जाएगा, फिर वह जो कर सकेगा, करेगा, वह जो गिर गया है, उसे उठाएगा या किसी और को उसकी सहायता के लिए आवाज देगा। इतना ही नहीं, वह उसके परिवार की भी चिंता करेगा, दौड़ेगा, उसे कहीं अस्पताल पहुंचाएगा। ठीक इसी तरह अगर रास्ते पर पत्थर या कांटे पड़े हैं तो एक प्रार्थना शून्य हृदय उनसे बचकर निकल जाएगा। उनको हटाएगा नहीं। वहीं प्रार्थना से पूर्ण हृदय उन कांटों को रास्ते से दूर फेंकेगा। इस तरह देखें तो प्रार्थना पूर्ण हृदय का एक अर्थ हुआ—प्रेमपूर्ण सद्भाव से भरा हृदय। यानी जब किसी व्यक्ति का हृदय का स्वभाव सद्भावना से पूर्ण और प्रेम युक्त होकर समस्त के प्रति बंधा होता है, तब उसे प्रार्थना कहना होगा। दूसरे अर्थ में प्रार्थना का अर्थ होगा-दूसरे की पीड़ा महसूस करने की क्षमता, दूसरों की भलाई की कामना और किसी का दिल न दुखे, ऐसी भावना अपने भीतर बसाना। ऐसी प्रार्थना आत्मा के अहसास से होती है। इसे एक कहानी से समझ सकते हैं। एक फकीर था। उम्र भर मस्जिद में प्रार्थना की। अब वो बूढ़ा हो गया। एक दिन लोगों ने उसे मस्जिद में नहीं देखा तो सोचा शायद मर गया है। सभी लोग उसके घर गए। वह फकीर घर के आगे बैठा था। खंजड़ी बजाकर गीत गा रहा था। लोगों ने कहा—यह तुम क्या कर रहे हो? आखिरी वक्त भगवान को भूल गए। प्रार्थना नहीं करोगे। उस फकीर ने कहा—प्रार्थना के कारण ही आज मस्जिद न आ सका। उन्होंने कहा—क्या मतलब, मस्जिद नहीं आए प्रार्थना के कारण। बिना मस्जिद के प्रार्थना हो कैसे सकती है? उस आदमी ने अपना सीना खोल दिया, उसके सीने में एक नासूर हो गया है, उसमें कीड़े पड़ गए हैं! उसने कहा कि कल मैं गया था मस्जिद और जब प्रार्थना करने के लिए झुका तो कुछ कीड़े मेरे सीने से नीचे गिर गए... और यह देखकर मुझे ख्याल आया कि ये तो मर जाएंगे, बिना नासूर के कैसे जिएंगे। आज मैं झुक नहीं सकता, प्रार्थना के कारण मस्जिद न आ सका। अब सब चुप थे। यह कहानी कम लोगों को समझ आएगी। जिनको समझ आएगी वो समझ जाएंगे कि बिना विचारों की गहनता, बिना भावों की उदात्तता, बिना हृदय की विशालता व बिना पवित्रता एवं परमार्थ भाव वाली प्रार्थना, प्रार्थना नहीं कही जा सकती। यह उथली प्रार्थना है। प्रार्थना तभी फलित होगी, जब हमारा मन राग-द्वेष से मुक्त हो जाए। प्रार्थना का एक अर्थ होता है, परम की कामना। परम की कामना के लिए क्षुद्र और तुच्छ कामनाओं का परित्याग करना चाहिए। परम की चाह ही 'प्रार्थना' है। लेकिन हम परम की नहीं, अल्प की मांग करते हैं। सांसारिक मान, पद व प्रतिष्ठा की चाह प्रार्थना नहीं, 'वासना' है। धन, यश व पुत्र- इन तीनों की मूल कामना का नाम 'ऐषणा' है। इसे ही ऋषियों ने पुत्रैषणा, वित्तैषणा और लोकैषणा कहा है। जब तक इन क्षणिक सुख देने वाली तृष्णाओं का अंत नहीं हो जाता तब तक परम-प्रार्थना का आरंभ नहीं हो सकता। संत मैकेरियस ने ठीक ही कहा है 'जिसकी आत्मा शुद्ध व पवित्र है, वही प्रार्थना कर सकता है क्योंकि अशुद्ध हृदय से वह पुकार ही नहीं उठेगी जो परमात्मा तक पहुंच सके। ऐसे में केवल जिह्वा बोलती है और हृदय कुछ कह ही नहीं पाता।' सुप्रसिद्ध कवि होमर के शब्दों में 'जो ईश्वर की बात मानता है, ईश्वर भी उनकी ही सुनता है।'

कोरोना संकटः रेलवे विभाग ने सभी मेल/ एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेन को 30 सितंबर तक किया रद्द

बिजनेस डेस्क। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बढ़ते मामलों को देखते हुए रेलवे मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। रेलवे विभाग ने 30 सितंबर तक सभी मेल/ एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेन को रद्द करने का फैसला लिया है। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 22 लाख के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में अबतक 22 लाख 15 हजार 74 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 44,386 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 लाख 35 हजार लोग ठीक भी हुए हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 62 हजार नए मामले सामने आए और 1007 मौतें हुईं। ये आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। अमेरिका और ब्राजील में क्रमशः 47,849 और 22,213 मामले आए हैं। वहीं क्रमशः 534 और 593 मौतें हुई हैं. ये चौथा दिन है जब भारत में 60 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

इस साल 'भुगतान संतुलन' काफी मजबूत स्थिति में रहने की उम्मीदः गोयल

नयी दिल्ली। इस साल निर्यात में उल्लेखनीय सुधार आने और आयात में गिरावट के चलते देश के 'भुगतान संतुलन' की स्थिति काफी मजबूत रहने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह कहा। गोयल ने कहा कि अर्थव्यवस्था में बेहतर संकेत दिख रहे हैं और निर्यात में काफी सुधार आया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंडल फिक्की के वेबिनार को संबोधित करते हुये गोयल ने कहा, ''हम जुलाई माह में पिछले साल जुलाई के 91 प्रतिशत निर्यात स्तर को हासिल कर चुके हैं। वहीं आयात जुलाई 2019 के सतर का 70 से 71 प्रतिशत के बीच ही है। इस स्थिति में इस साल हमारी भुगतान संतुलन की स्थिति काफी मजबूत रहने वाली है। इस स्थिति को देखते हुये हम आश्वस्त हैं कि भारतीय उद्योग अपने लिये अवसर देखेगा और वृद्धि के अवसर तलाशेगा।'' देश के निर्यात में जून 2020 में लगातार चौथे माह गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान पेट्रोलियम और कपड़ों के निर्यात में काफी गिरावट दर्ज की गई लेकिन इस दौरान आयात में भी 47.59 प्रतिशत की भारी गिरावट आने के साथ ही पिछले 18 साल में पहली बार देश का व्यापार अधिशेष की स्थिति में पहुंच गया। जून 2020 में देश का व्यापार अधिशेष 0.79 अरब डालर रहा।

प्याज के बाद गुजरात से बांग्लादेश के लिए कपड़ा एक्सप्रेस

गुजरात। प्याज के बाद गुजरात से बांग्लादेश के लिए कपड़ा एक्सप्रेस रवाना होने वाली है। वेस्टर्न रेलवे स्पेशल पार्सल ट्रेन को गुजरात के कनकारिया से बांग्लादेश के बेनापोल को भेजने की तैयारी कर रही है। इस पार्सल ट्रेन के जरिए कपड़ा, रंग और केमिकल्स को निर्यात किया जाएगा। अगर गुजरात और बांग्लादेश के बीच निर्यात का काम ट्रक से किया जाएगा तो ट्रांसपोर्टेशन का कास्ट काफी बढ़ जाएगा। इसी के कारण मालगाड़ी से निर्यात की तैयारी की जा रही है। इससे ट्रांसपोर्टेशन का कॉस्ट कम होगा जिसका कीमत पर असर दिखाई देगा। सस्ता सामान होने के कारण व्यापार में तेजी आएगी। भारत हमेशा से बांग्लादेश को प्याज का निर्यात करता रहा है। पिछले दिनों पहली बार गुजरात के धोराजी स्टेशन से बांग्लादेश के दर्शाना स्टेशन के लिए मालगाड़ी रवाना हुई जिसमें प्याज भरा था। दोनों देश के व्यापारी लगातार कोशिश कर रहे थे के बीच मालगाड़ी से प्याज का निर्यात हो। इसके लिए धोराजी स्टेशन में कुछ बदलाव किया गया, ताकि वहां लोडिंग करने में किसी तरह की परेशानी ना हो।

मुनाफावसूली के चलते जुलाई में चार साल में पहली बार इक्विटी म्यूचुअल फंड से निकासी

नई दिल्ली। शेयर आधारित (इक्विटी) म्यूचुअल फंड में से जुलाई के दौरान 2,480 करोड़ रुपये की निकासी देखी गयी। निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते चार साल से भी अधिक अवधि में यह इक्विटी म्यूचुअल फंड से पहली निकासी है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने सोमवार को कहा कि पिछले महीने म्यूचुअल फंड में कुल 89,813 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। यह जून के 7,265 करोड़ रुपये के शुद्ध निवेश से अधिक है। इसमें अधिकतर निवेश लचीला निवेश रुख रखने वाले या कम अवधि वाले म्यूचुअल फंड में हुआ। आंकड़ों के अनुसार जुलाई में शेयर बाजार में निवेश करने वाले (इक्विटी) म्यूचुअल फंड में से 2,480.35 करोड़ रुपये की निकासी हुई। जबकि जून में इस श्रेणी में 240.55 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। इससे पहले मई महीने में इसमें 5,256 करोड़ रुपये, अप्रैल में 6,213 करोड़ रुपये, मार्च में 11,723 करोड़ रुपये, फरवरी में 10,796 करोड़ रुपये और जनवरी में 7,877 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। जुलाई महीने में हुई निकासी मार्च 2016 के बाद इस श्रेणी के म्यूचुअल फंड से पहली निकासी है। तब इससे 1,370 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन. वेंकटेश ने कहा कि मल्टी कैपिटल और लार्ज कैपिटल इक्विटी म्यूचुअल फंड से निकासी की एक बड़ी वजह निवेशकों का मुनाफा वसूली करना है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के संपत्ति बाजार पर चढ़ाने से साख गुणवत्ता बेहतर होगीः एस एंड पी

नयी दिल्ली। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले चार महीने में संपत्ति में हिस्सेदारी बेचकर और राइट इश्यू के जरिये जो बड़ी राशि जुटायी है, उससे उसकी साख गुणवत्ता उल्लेखनीय रूप से सुधरनी चाहिए। रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा, ''रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जिस स्तर पर और जितनी संपत्ति को बाजार पर चढ़ाया और पैसा जुटाया, वह हमारी उम्मीद से अधिक हो सकती है।'' तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में काम करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी हिस्सेदारी बेचकर और राइट इश्यू के जरिये 2.1 लाख करोड़ रुपये जुटाये। फेसबुक ने अप्रैल, 2020 में जियो प्लेटफार्म्स में निवेश की घोषणा की। उसके बाद से रिलायंस ने यह राशि जुटायी। कंपनी ने जो राशि जुटायी, उसमें 1.52 लाख करोड़ रुपये जियो प्लेटफार्म्स लि. (जेपीएल) में हिस्सेदारी बेचकर जुटायी गयी। इसके अलावा 53,124 करोड़ रुपये का राइट इश्यू और बीपी पीएलसी से ईंधन खुदरा संयुक्त उद्यम के लिये 7,600 करोड़ रुपये जुटाये गये। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''ये चीजें बताती हैं कि आरआईएल का समायोजित कर्ज 2020-21 के अंत तक एक लाख करोड़ रुपये से कम होगा।

चीन का आंकड़ों के साथ खिलवाड़, दिखाया भारत का आयात बढ़ा

बिजनेस डेस्क। कोरोना के कारण नए साल में चीन से होने वाले आयात में पिछले साल के मुकाबले कमी रही ही लेकिन अप्रैल के बाद यह गिरावट तेज हो गई। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने भारत के आयात के आंकड़ों को घुमा-फिराकर पेश किया है। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि चीन से होने भारत का आयात घटा नहीं बल्कि बढ़ा है, जबकि देश में बायकॉट चीन की मुहिम चलाई जा रही है। चीन के खिलाफ भारत की ओर से एक के बाद एक सख्त कदम उठते देख चीन बौखला गया है। ये बौखलाहट चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स में साफ देखी जा सकती है। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया है कि चीन के सामान का बहिष्कार करने की तमाम कोशिशों और बातों के बावजूद भारत ने चीन से आयात और अधिक बढ़ा दिया है यानी कोरोना काल में भी आयात गिरना तो दूर की बात, उल्टा उसमें बढ़ोतरी हुई है। ग्लोबल टाइम्स ने दरअसल आंकड़ों के साथ खेला है। चीन का कस्टम डेटा दिखाता है कि भारत का चीन से आयात जुलाई महीने में 5.6 अरब डॉलर का हो गया है, जो जून में 4.78 अरब डॉलर था। इससे पहले मई में ये आंकड़ा 3.25 अरब डॉलर था, जबकि अप्रैल में यह 3.22 अरब डॉलर था। चीन का ये आंकड़ा भारत के आयात के आंकड़े से मेल नहीं खा रहा है।

ग्रैच्युटी का नियम बदलने की तैयारी में सरकार, 5 साल से कम की नौकरी पर भी मिलेगा फायदा

बिजनेस डेस्क। किसी एक नौकरी में 5 साल या उससे ज्यादा वक्त तक टिकने पर ही फिलहाल ग्रैच्युटी का फायदा कर्मचारियों को मिलता है। ऐसे में तीन या फिर 4 साल तक नौकरी करने के बाद भी लोग ग्रैच्युटी से वंचित रह जाते हैं लेकिन अब सरकार नियम में बदलाव की तैयारी कर रही है और कम वक्त की नौकरी पर भी ग्रैच्युटी दी जा सकती है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक नौकरी में असुरक्षा एवं अन्य कारणों के चलते लोग तेजी से नौकरी बदल रहे हैं। ऐसे में ग्रैच्युटी के लिए 5 साल का नियम व्यवहारिक नहीं कहा जा सकता। ने अपनी रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों के हवाले से कहा कि लंबे समय से ग्रैच्युटी की टाइम लिमिट को कम करने की मांग की जा रही है। सरकार फिलहाल इस पर विचार कर रही है और समय में कमी की जा सकती है। सूत्रों को मुताबिक श्रम मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने भी ग्रैच्युटी की टाइम लिमिट को कम करने का सुझाव दिया है। नए तैयार हो रहे सोशल सिक्योरिटी कोड में इसे शामिल किया जा सकता है। लेबर मार्केट के जानकारों का कहना है कि ग्रैच्युटी के लिए 5 साल की सीमा बहुत ज्यादा है और इससे कर्मचारियों के हितों को पूरा नहीं किया जा सकता। दरअसल ग्रैच्युटी के लिए 5 साल की लिमिट इसलिए तय की गई थी कि लॉन्ग टर्म वर्क कल्चर को प्रमोट किया जा सके लेकिन अब मार्केट में विविधता आई है और असुरक्षा भी बढ़ी है। ऐसे में कर्मचारी अपनी ग्रोथ और भविष्य को देखते हुए 5 साल नहीं रुकते। इसलिए ग्रैच्युटी के लिए 5 साल की लिमिट तय होने से उन्हें कोई लाभ नहीं होता। सूत्रों के मुताबिक स्टैंडिंग कमेटी ने ग्रैच्युटी

की लिमिट एक से तीन साल तक करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा सेक्टर के हिसाब से यह सीमा अलग-अलग भी तय की जा सकती है। हालांकि श्रम मंत्रालय की ओर से इस संबंध में अब तक औपचारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ग्रैच्युटी के तहत कर्मचारी जितने साल संस्थान में बिताता है, उतने वर्षों की 15 दिनों की सैलरी ग्रैच्युटी के तौर पर दी जाती है। मान लीजिए कि कोई कर्मचारी 7 साल बिताता है तो उसे 15म7 यानी 105 दिनों की सैलरी मिलेगी। इस तरह करीब साढ़े तीन महीने की सैलरी कर्मचारी को ग्रैच्युटी के तौर पर मिलेगी।

कोयला के वाणिज्यिक उत्खनन की ई-नीलामी की तारीखें फिर बढ़ने की संभावनाः सूत्र

कोलकाता। कोरोना वायरस महामारी के चलते उत्पन्न व्यवधानों के कारण वाणिज्यिक खनन के लिये कोयला खंडों की ई-नीलामी में बोली लगाने की तारीखें फिर से बढ़ायी जा सकती हैं। केंद्र सरकार तकनीकी बोलियां लगाने की तारीखें पहले बढ़ा चुकी है। संशोधित समय सारिणी के हिसाब से तकनीकी बोली लगाने की अंतिम तिथि 29 सितंबर के दो बजे शाम तक है। पात्र बोलीदाताओं के बीच ई-नीलामी 19 अक्टूबर से नौ नवंबर के बीच होने वाली है।हालांकि सूत्रों का कहना है कि कोविड-19 के चलते यात्रा व आवाजाही पर लगी पाबंदियों को लेकर निवेशकों ने समयसीमा और बढ़ाने का आग्रह किया है। एक बड़े कॉरपोरेट बोलीदाता कंपनी के एक बड़े अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा हम इस बारे में आश्वस्त नहीं हैं कि बोलीदाताओं के लिये मूल्यांकन और व्यवहार्यता अध्ययन को पूरा करने के लिये यह विस्तार पर्याप्त होगा या नहीं, क्योंकि ऐसा करने के लिये जमीनी स्तर की जटिल जानकारियों की जरूरत होती है। यदि जरूरत हुई तो समयसीमा में और विस्तार की मांग की जायेगी। सूत्रों ने कहा कि बोली लगाने वालों को साइट के दौरे, तकनीकी और भूवैज्ञानिक मूल्यांकन करने तथा पुनर्वास लागत का अनुमान लगाने के भारतीय खनिज उद्योग महासंघ सहित कॉरपोरेट्स ने सरकार से ई-नीलामी प्रक्रिया के लिये तारीखों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

ग्राहकों को प्रोडक्ट्स का टच-फिल देने और बेहतर डिलीवरी अनुभव के लिए अमेजन ला रहा अमेजन ईजी

नई दिल्ली। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म अमेजन ने 'अमेजन ईजी स्टोर को बिल्कुल नए स्वरूप में आज लांच किया। कंपनी ने आज यह जानकारी दी कि अमेज़न ईजी स्टोर का पहला नया स्टोर महालक्ष्मी लेआउट, बेंगलुरु में शुरू हो चुका है। कंपनी जल्द ही मौजूदा और नए नेटवर्क साझीदारों के साथ देश के अन्य हिस्सों में ऐसे स्टोर का विस्तार करेगी। कंपनी के अनुसार, ईजी स्टोर पर एक ही जगह पर अमेजन की कई सेवाएं उपलब्ध हैं। ये स्टोर सभी उत्पादों को डिस्प्ले करके ग्राहकों को उसके बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। ग्राहक स्टोर स्टाफ की सहायता से अमेजन की वेबसाइट पर ऑर्डर भी दे सकते हैं। इसके अलावा ग्राहक अगर चाहें तो स्टोर से अपना सामान खुद ले जा सकते हैं या अपने घर पर डिलिवरी के लिए कह सकते हैं। ग्राहकों को उनके इलाके में पैकेज डिलिवरी करने के साथ-साथ पिकअप की सुविधा प्रदान करते हुए, स्टोर के मालिक अब अमेजन के ग्राहक तक पहुंच बनाने वाले डिलिवरी प्रोग्राम 'आई हैव स्पेस का लाभ उठाने में सक्षम होंगे, जिससे स्टोर मालिकों को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी। पहली बार देशी भाषाओं में ग्राहकों को जानकारी देने और संपर्क करने का दृष्टिकोण अपनाते हुए, नये ईजी स्टोर में ब्रांड और उत्पादों को डिस्प्ले किया जायेगा और इनमें उत्पादों के प्रदर्शन के लिए निर्धारित जगह की व्यवस्था की गई है। कई स्थापित ब्रांड के साथ ग्राहक उपलब्ध अन्य कई क्षेत्रीय या स्थानीय ब्रांड के लिए भी ब्राउज कर सकते हैं और उसकी खरीदारी कर सकते हैं। सभी नये स्टोर इस तरह से तैयार किये गये हैं कि सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन हो सके। अमेजन इंडिया ने अमेजन ईजी की शुरुआत वर्ष 2015 में एक पायलट परियोजना के रूप में की थी।

यूनियन बैंक ने कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर 0.15प्रतिशत घटाई

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को विभिन्न अवधि के कर्ज पर कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) 0.15 प्रतिशत घटा दी। नई दर 11 अगस्त से लागू होगी। यूनियन बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने एक साल के एमसीएलआर को 7.40 प्रतिशत से घटाकर 7.25 प्रतिशत कर दिया है। एक दिन के कर्ज के लिए एमसीएलार 6.80 प्रतिशत होगी जबकि तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिये यह क्रमशः 6.95 प्रतिशत और 7.10 प्रतिशत होगी। बयान के अनुसार जुलाई 2019 के बाद से मानक दर लगातार 14वीं बार घटाई गई है। सार्वजनिक क्षेत्र के एक और बैंक आईओबी (इंडियन ओवरसीज बैंक) ने भी सभी अवधि के लिए एमसीएलआर 0.10 प्रतिशत कम कर दी है। आईओबी ने पिछले सप्ताह शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल के लिये एमसीएलआर 7.75 प्रतिशत से कम कर 7.65 प्रतिशत किया गया है। नई दरें सोमवार से प्रभाव में आ गई हैं। कम कर 7.65 प्रतिशत किया गया है। नई दरें सोमवार से प्रभाव में आ गई हैं। इसके अलावा पुणे के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने भी सात अगस्त से एमसीएलआर में 0.20 प्रतिशत की कटौती की है।

एसी-कमर्शियल रेफ्रीजिरेशन कारोबार इस वर्ष तक सामान्य होने की उम्मीद, कोविड- 19 की वजह से प्रभावित

नई दिल्ली। ब्लू स्टार का कहना है कि उसका घरों और वाणिज्यिक इस्तेमाल के एयरकंडीशनर्स का कारोबार चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक सामान्य हो जाने की उम्मीद है। कंपनी का कारोबार कोविड- 19 की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुआ। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा है कि उसकी विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से चालू है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 76.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने निवेशकों से कहा कंपनी ने संभावित राजस्व नुकसान को देखते हुये हमने उसी के अनुरूप अपनी परिचालन लागत को कम किया है। इसके साथ ही कंपनी के खातों को मजबूती देने के लिये दीर्घकालिक कर्ज के जरिये पूंजी डाली गई है। कंपनी नकदी प्रवाह के अनुरूप परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्राथमिकता तय करती रहेगी। घरों में और व्यवसायिक इस्तेमाल में काम आने वाले एयरकंडीशनर्स उत्पादों का कारोबार धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है और उम्मीद है कि जनवरी से मार्च 2021 की चौथी तिमाही में यह सामान्य स्तर पर पहुंच जायेगा। कंपनी का मानना है कि नई परिस्थितियों में स्वास्थ्य देखभाल, औषधि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के वर्ग में वाणिज्यिक इस्तेमाल के एयरकंडीशनर्स के लिये बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। वित्त वर्ष 2020- 21 की पहली तिमाही में कंपनी के एस वर्ग का कारोबार 274.85 करोड़ रुयये रहा जो कि एकसाल पहले इसी तिमाही में 906.89 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का कहना है कि कोरोना वायरस के कारण लगाये गये लॉकडाउन में गर्मी के मौसम का बड़ा हिस्सा निकल गया। मई के तीसरे सप्ताह तक खुदरा बाजार करीब करीब बंद रहे। इस दौरान ई- वाणिज्य के जरिये भी गैर-जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बंद रही। कंपनी ने कहा हालांकि, उसके वाटरप्यूरीफायर व्यवसाय पर महामारी का प्रभाव अपेक्षाकृत कुछ कम रहा। कुल मिलाकर ब्ल्यू स्टार ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल परिचालन कारोबार से 626.02 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होने की जानकारी दी है जो क्ष्एिक साल पहले इसी तिमाही में 1,575.45 करोड़ रुपये रहा था एक साल पहले इसी तिमाही में 1,575.45 करोड़ रुपये रहा था।

बर्मन परिवार एवरेडी में हिस्सेदारी बढ़ाने को तैयार, अधिग्रहण की योजना नहीं

कोलकाता। बर्मन परिवार का कहना है कि उनका एवरेडी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन वह कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिये तैयार है। मोहित बर्मन ने यह कहा। विद्युत बैटरी बनाने वाली कंपनी एवरेडी इंडस्ट्रीज में उसके प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी कम रह गई है। मोहित बर्मन डाबर इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष और बर्मन परिवार के वरिष्ठ सदस्य हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक इंडसइंड बैंक सहित अन्य रिणदाताओं द्वारा पिछले सप्ताह उनके पास एवरेडी इंडस्ट्रीज के गिरवी रखे शेयरों को भुनाना शुरू करने के साथ ही कंपनी के प्रवर्तक समूह, खेतान परिवार की हिस्सेदारी घटकर 10 प्रतिशत से भी नीचे आ गई। डाबर इंडिया के उपाध्यक्ष मोहित बर्मन ने रविवार को पीटीआई- भाषा से बातचीत में कहा, 'हम इंडसइंड के पास रखे शेयरों को खरीदने सहित अतिरिक्त शेयरों की खरीद करने के मामले पर गौर करने को तैयार हैं। लेकिन हमारे पास चार प्रतिशत अतिरिक्त खरीदने की ही गुंजाइश है। हम अपनी शेयरधारिता को 25 प्रतिशत से नीचे रखना चाहते हैं।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बर्मन परिवार का कंपनी के प्रबंधन को अपने हाथों में लेने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। बर्मन परिवार के पास एवरेडी इंडस्ट्रीज की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक यदि किसी मौजूदा शेयरधारक की किसी सूचीबद्ध कंपनी में होल्डिंग 25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है तो उसे कंपनी के अन्य शेयरधारकों के लिये शेयर बेचने का विकल्प उपलब्ध कराते हुये खुली पेशकश जारी करनी होती है। एवरेडी इंडस्ट्रीज के खेतान परिवार के साथ कंपनी को संयुक्त रूप से चलाने के बारे में पूछे जाने पर बर्मन ने कहा कि इस बारे में बात करना फिलहाज जल्दबाजी होगी। उधर, एवरेडी इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक और प्रबंध निदेशक अमृतांशु खेतान को उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिये भेजे गये संदेश और फोनकॉल का कोई जवाब नहीं मिला प्रबंध निदेशक अमृतांशु खेतान को उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिये भेजे गये संदेश और फोनकॉल का कोई जवाब नहीं मिला।

आप्टिक फाइबर केबल अंडमान निकोबार में पासा पलटने वाला साबित होगा : सुनील मित्तल

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल ने सोमवार को कहा कि चेन्नई और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के बीच समुद्र के भीतर आप्टिक फाइबर लिंक का उद्घाटन पासा पलटने वाला साबित होगा और उस क्षेत्र में 4जी और भविष्य में 5 जी की वास्तविक संभावनाओं का द्वार खोलेगा। कंपनी ने कहा कि वह पहली मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी है जिसने अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में 4जी सेवाओं की शुरूआत की थी। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने एक बयान में कहा, ''फाइबर संपर्क उस क्षेत्र के लिये पासा पलटने वाला साबित होगा। यह ग्रहकों के लिये 4जी और भविष्य में 5 जी की वास्तविक संभावनाओं का द्वारा खोलेगा।'' एयरटेल अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में 2005 से सेवा दे रही है। वह पहली निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता है, जिसने वहां मोबाइल सेवा शुरू की। मित्तल ने कहा, ''एयरटेल सरकार के डिजिटल इंडिया के सपने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम उम्मीद करते हैं कि दूरसंचार विभाग डिजिटल अंतर को समाप्त करने के लिये दूरसंचार कंपनियों के प्रयासों के पूरक के रूप में इस प्रकार के बुनियादी ढांचा के निर्माण के लिये सार्वभौमिक सेवा बाध्यता कोष (यूएसओएफ) के उपयोग में तेजी लाएगा।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को चेन्नई से लेकर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिये पहली आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उद्घाटन किया। यह केबल समुद्र के भीतर बिछाई गई है। इससे इस संघ शासित प्रदेश को देश के अन्य भागों की तरह तीव्र गति की ब्राडबैंड संचार सुविधायें उपलब्ध होगी सभी दूरसंचार कंपनियां 2,312 किलोमीटर लंबे सबमैरीन आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उपयोग कर दूरसंचार और ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी। आधिकारिक बयान के मुताबिक पोर्ट ब्लेयर पर अब 400 गीगाबाइट प्रति सेकेंड की गति से इंटरनेट सेवायें उपलब्ध होंगी वहीं अन्य द्वीप समूहों में यह 200 गीगाबाइट प्रति सेकेंड की गति से उपलब्ध होंगी। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की दूरसंचार समिति के चेयरमैन संदीप अग्रवाल ने कहा कि भारत ने समुद्र के नीचे रणनीतिक फाइबर केबल बिछाकर दूरसंचार न्होंने कहा, ''इससे अंडमान निकोबार की अर्थव्यवस्था और पर्यटन क्षेत्र को गति मिलेगी....।''

मोदी ने अंडमान निकोबार तक ब्रांडबैंड सेवायं पहुचाने वाली पहली समुद्री केबल परियोजना का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह को तीव्र गति की ब्रॉडबैंड संचार सेवाओं से जोड़ने वाली आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उद्घाटन किया। यह केबल समुद्र के अंदर से बिछाई गई है। इससे क्षेत्र में डिजिटल सेवाओं और पर्यटन तथा अन्य गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मोदी ने 30 दिसंबर 2018 को 2,312 किलोमीटर लंबी चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीप के पोर्ट ब्लेयर को जोड़ने वाली इस सबमैरीन आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना की शुरुआत की थी। परियोजना को 1,224 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। परियोजना के उद्घाटन अवसर पर मोदी ने कहा, ''चेन्नई से पोर्टब्लेयर, पोर्ट ब्लेयर से लिटिल अंडमान और पोर्ट ब्लेयर से स्वराज द्वीप तक यह सेवा आज से अंडमान निकोबार के बड़े हिस्से पर चालू हो गई है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देश की जिम्मेदारी बनती है कि वह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लोगों को आधुनिक दूरसंचार सुविधायें उपलब्ध कराये। पोर्ट ब्लेयर के साथ ही यह सेवा स्वराज द्वीप, लॉक आइलैंड, रंगत, लिटिल अंडमान, कामोर्टा, कार निकोबार और ग्रेटर निकोबार को भी कनेक्टिविटी उपलब्ध करायेगी। देश के दूरसंचार कंपनियां अब इस आप्टिकल फाइबर केबल के जरिये अपनी मोबाइल और ब्रांडबंड सेवायें इस द्वीप समूह में उपलब्ध करा सकेंगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक पोर्ट ब्लेयर पर अब 400 गीगाबायट प्रति सैंकिड की गति से इंटरनेट सेवायें उपलब्ध होंगी वहीं अन्य द्वीप समूहों में यह 200 गीगाबायट प्रति सैंकड की गति से उपलब्ध होंगी। मोदी ने कहा कि समुद्री के अंदर केबल बिछाने का यह काम चुनौतियों के बावजूद समय से पहले पूरा हुआ है। उन्होंने कहा, ''ये चुनौतीपूर्ण काम तभी हो सकते हैं, जब पूरी क्षमता के साथ, पूरे प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संन्यास की अटकलों पर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने दिया बड़ा बयान

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि उनका फिलहाल क्रिकेट से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह अगले एशेज सीरीज में खेलना चाहते हैं। इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज एंडरसन को हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में जगह दी गई थी और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में भी टीम में रखा गया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 97 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने हालांकि कहा कि उनका इरादा अभी उन्होंने हालांकि कहा कि उनका इरादा अभी संन्यास लेने का नहीं है और उनमें अभी काफी भूख बाकी है तथा। तेज गेंदबाज ने अगले एशेज सीरीज में खेलने की अपनी इच्छा को दोहराया। एंडरसन ने कहा, 'अभी मेरा संन्यास लेने का इरादा नहीं है। मुझमें अभी भी खेलने की भूख बाकी है। एक खराब मैच के बाद निराश होना मेरे ख्याल से अच्छा नहीं है। एंडरसन ने कहा, 'मैं तब तक खेलना चाहता हूं जब तक मैं खेल सकता हूं। जैसे मैंने इस सप्ताह गेंदबाजी की उसे देखते हुए संन्यास लेना मेरे हाथ में नहीं है। यह चयन का मामला हो सकता है लेकिन मुझमें अभी भी भूख बाकी है।

क्रिकेट

आईपीएल खिलाड़ियों को पूर्व तेज गेंदबाज की सलाह- गिटार बजाना और पत्ते खेलना सीख लो

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आईपीएल 2020 यूएई में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण इस बार खिलाड़ियों को कड़े नियमों से गुजरना होगा। ऐसे में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वह गिटार बजाना और पत्ते खेलना (कार्ड गेम) सीख लो। ये सलाह उन्होंने बोरियत से बचने के लिए खिलाड़ियों को दी है। ली ने एक क्रिकेट शो के दौरान कहा, आपके स्वास्थ्य के लिए सबसे अहम चीज यही होगी कि आप सामाजिक दूरी कायम रखो और कोविड-19 मानकों का पालन करो, इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी बाहर जाकर गलत करेगा। उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ी निश्चित रूप से ये सुनिश्चित करेंगे कि वे सही चीजें करें और इसका मतलब है कि वे नियमों के अनुसार खेलें और इस 'बायो बबल' के अंदर ही रहें। उन्होंने कहा, 'देखिए यह नौ हफ्ते का टूर्नामेंट है और इसके लिए उन्हें अच्छे खासे पैसे भी मिलेंगे जो काफी अच्छा है, वे दुनिया भर के लिए अच्छा टूर्नामेंट ला रहे हैं। ऐसे में आठ हफ्तों में गिटार सीखिए।

अच्छा टूर्नामेंट ला रहे हैं। ऐसे में आठ हफ्तों में गिटार सीखिए। ली ने कहा, मुझे मेरे होटल के कमरे में खेलना पसंद है, मुझे बाहर जाकर गोल्फ खेलने की जरूरत नहीं है, अपना गिटार निकालिए या फिर कुछ कार्ड गेम खेलिए, मजे लीजिए।

पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड से बेहतर, अब भी श्रृंखला जीत सकती है: इंजमाम

नई दिल्ली।

पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने पाकिस्तान को इंग्लैंड से बेहतर टीम बताते हुए कहा है कि अजहर अली की टीम में पहले टेस्ट में हार से उबरकर वापसी करते हुए तीन मैचों की श्रृंखला जीतने की क्षमता है। पाकिस्तान की टीम ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले टेस्ट के अंतिम दिन मजबूत स्थिति में थी लेकिन जो बटलर और क्रिस वोक्स की उम्दा पारियों से टीम को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड से बेहतर है और हमें पहला टेस्ट जीतना चाहिए था। यह काफी निराशाजनक है लेकिन मेरा मानना है कि पाकिस्तान अब भी श्रृंखला जीत सकता है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 107 रन की बढ़त हासिल की थी लेकिन दूसरी पारी में टीम 169 रन पर ढेर हो गई थी जिससे इंग्लैंड को 277 रन का लक्ष्य मिला। पाकिस्तान के लिए 120 टेस्ट में 8830 रन और 378 एक दिवसीय मैचों में 11739 रन बनाने वाले 50 साल के इंजमाम ने कहा कि जीत की स्थिति में होने के बावजूद पाकिस्तान को हारते हुए देखना निराशाजनक था लेकिन उन्होंने दूसरे टेस्ट में मजबूत वापसी के लिए अपने देश की टीम का समर्थन किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट पर 117 रन हो गया था लेकिन बटलर और वोक्स ने 139 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

तोक्यो पैरालंपिक खेलों में भारत के पदकों की संख्या दो अंकों में होगी: दीपा मलिक

नयी दिल्ली । पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी दीपा मलिक का मानना है कि अगले साल होने वाले तोक्यो पैरालंपिक खेलों में देश के पदकों की संख्या दो अंकों में होगी। गोला फेंक की खिलाड़ी रही दीपा ने 'इन द स्पोर्टलाइट' चैट शो के दौरान टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी से कहा- रियो में अपने पदकों की संख्या को दोगुना किया था, हमारी टीम में 19 खिलाड़ी थे। हमने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। 2018 (एशियाई पैरा खेलों में) में हमारी टीम में 194 सदस्य थे और हमने 72 पदक जीते थे। इसने पहले ही मापदंड स्थापित किया है। रियो डि जिनेरियो में 2016 में रजत पदक जीतने वाली 49 साल की दीपा ने कहा- अगले साल तोक्यो खेलों के बारे में सबसे शानदार चीज यह होगी कि भारत पैरालंपिक में दोहरे अंक में पदक जीतेगा। आईपीसी विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीतने वाली दीपा ने कभी अपनी दिव्यांगता को अपने जुनून के रास्ते में नहीं आने दिया। दीपा को 1999 में जब कहा गया कि उनकी रीढ़ की हड्डी से ट्यूमर को निकालने के लिए सर्जरी करनी होगी तो उन्होंने करगिल युद्ध के घायल सैनिकों से प्रेरण ली। उन्होंने कहा- जिस अस्पताल में मुझे सर्जरी के लिए ले जाया गया वहां युद्ध में अंग गंवाने वाले कई सैनिक थे। मुझे लगता है कि वे तुरंत की मेरे लिए प्रेरणास्रोत बने। अगर ये स्वस्थ युवा लोग अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने अंग गंवा रहे थे तो बीमारी के कारण मलाल करने का मेरे पास कोई कारण नहीं था।

शोएब अख्तर को क्यों 'बी ग्रेड एक्टर' मानते हैं मैथ्यू हेडन, किया खुलासा

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने शारजहा के मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट को याद करते हुए एक बार फिर से पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को 'बी ग्रेड एक्टर' कहा। हेडन दरअसल उस मैच की बात कर रहे हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 198 रनों से जीत दर्ज की थी। इस टेस्ट में पाकिस्तान दोनों पारियों में 59 और 53 रनों पर ऑलआऊट हो गया था। हेडन ने इस मैच में सेंचुरी लगाई थी। मैच को याद करते हुए मैथ्यू हेडन ने कहा- मैं उसे शुरुआत से ही बी ग्रेट एक्टर मानता हूं। हम शारजाह में खेल रहे थे। अख्तर ने मुझसे पूरी तरह से रंगीन भाषा में कहा- मैं आज तुम्हें मारने जा रहा हूं'। मैंने कहा- मेट, यह बहुत अच्छा है, आप जानते हैं कि मैं उस चुनौती का इंतजार कर रहा हूं। मैंने कहा- आपको इसे करने के लिए 18 गेंदें मिली हैं। आपको तीन ओवर मिले हैं क्योंकि आप एक मार्शमैलो में बदलने जा रहे हैं। पूर्व बाएं हाथ के खिलाड़ी ने भी तत्कालीन अंपायर एस वेंकटराघवन के सामने मैदान पर अख्तर के रवैये के बारे में बात की थी और भारतीय अधिकारी ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज को कड़ी चेतावनी भी दी थी। हेडन ने कहा- मैं सही हूं, मैं शोएब को एक निरपेक्ष हंस की तरह कैसे देख सकता हूं और वेंकट को इस बारे में कैसे बता सकता हूं? हेडन बोले- तो जैसा कि शोएब गेंदबाजी करने के लिए दौड़ रहे थे और मुझ पर किसी सूरज की तरह बरस रहे थे। मैं उसकी गेंदों को एक से 18 तक गिन रहा था।

वह गेंद फेंककर मेरे पास आता और बोलता- क्या समस्या है? तो फिर मैंने वेंकट का रुख किया। कहा- मैं खेल पर सब कुछ देता हूं, मुझे जो कुछ भी मिलता है, मैं उसके लायक हूं। लेकिन आप प्रोटोकॉल और शिष्टाचार के भीतर रहते हैं।

आप किसी के साथ भागना और किसी को गाली नहीं दे सकते। अख्तर ने टेस्ट में कुल 92.1 ओवर में केवल 14 ओवर गेंदबाजी की थी। हेडन ने 255 गेंदों में 119 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

सुभाशीष बोस ने मुंबई सिटी एफसी से नाता तोड़ा

मुंबई । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट की फेंचाइजी मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को पुष्टि की कि डिफेंडर सुभाशीष बोस क्लब छोड़कर चले गए हैं। क्लब ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर घोषणा की, ''टीम के साथ दो यादगार सत्र के बाद सुभाशीष बोस मुंबई सिटी एफसी को छोड़कर चले गए हैं। क्लब में आपके योगदान के लिए धन्यवाद। हम आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। लेफ्ट बैक के रूप में खेलने वाले बोस ने मुंबई सिटी एफसी की ओर से 34 मैच खेले और इस दौरान एकमात्र गोल बेंगलुरू एफसी के खिलाफ जीत के दौरान किया। उन्होंने दो गोल करने में मदद भी की। क्लब ने हाल में घोषणा की थी कि अनुभवी मिडफील्डर पाउलो मचाडो ने भी फेंचाइजी के साथ नाता तोड़ लिया है।

'इंडिया ताइक्कांडो' ने रेफरी एवं एथलीट आयोग का गठन किया

मुंबई। इंडिया ताइक्कांडो (आईटी) ने सोमवार को घोषणा की कि उसने खिलाड़ियों के कल्याण के लिए रेफरी और एथलीट आयोग की स्थापना की है। देश में ताइक्कांडो का संचालन करने वाली इस संस्था की मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक रेफरी आयोग विश्व ताइक्कांडो (डब्ल्यूटी) के दिशा निर्देशों के अनुसार सभी नियमों की समझ के साथ निष्पक्ष खेल का पालन करने के लिए रेफरी के प्रशिक्षण पर ध्यान देगा। एथलीट आयोग '' खिलाड़ियों के सर्वोत्तम हितों की देखभाल करेगा और उनके हर प्रश्न का जवाब देगा।'' विज्ञप्ति के मुताबिक आईटी ने परिचालन शुरू करने के लिए विश्व ताइक्कांडो से हरी झंडी प्राप्त कर ली है। विश्व ताइक्कांडो के हाल में जारी आधिकारिक पत्र में महासचिव होस रेफटी ने कहा, '' 12 मई 2020 को डब्ल्यूटी परिषद की बैठक में, कोविड-19 के बाद भी इंडिया ताइक्कांडो द्वारा की गई प्रगति को देखते हुए पूर्ण सदस्यता बहाल करने के लिए सर्वसम्मति से मंजूरी दी जाती है।''

बांग्लादेश के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन कोरोना वायरस पॉजिटिव

ढाका। बांग्लादेश के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन कोरोना वायरस परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए हैं। हुसैन ने पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया। हुसैन को पिछले साल ब्रेन ट्यूमर होने का भी पता चला था। रविवार को कोविड-19 परीक्षण का नतीजा आने के बाद हुसैन अपने घर में ही पृथकवास से गुजर रहे हैं। दरअसल, एक अखबार ने हुसैन के हवाले से कहा, 'मेरे पिता इससे पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे और उन्हें सीएमएच अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, 'बाद में मैंने भी कुछ लक्षणों का अनुभव किया और कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया। मैं अब तक ठीक हूं और घर में पृथकवास से गुजर रहा हूं। हुसैन ने कहा, 'मेरी पत्नी और बच्चे हालांकि नेगेटिव पाए गए हैं।

रूपिंदर पाल सिंह की ड्रैगफ्लिक क्षमता से सीख रहा हूं: प्रताप

नयी दिल्ली ।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम के डिफेंडर प्रताप लाकड़ा ने कहा कि वह अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह की ड्रैगफ्लिक जबकि बीरेंद्र लाकड़ा के खेलने के तरीके से प्रेरणा लेते हैं। इन दिनों रेलवे में टिकट कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे प्रताप को पहली बार 2017 में जूनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया। उन्हें यह बात अच्छी तरह पता है कि राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रताप ने कहा- बेंगलुरु में सीनियर टीम वहीं अभ्यास करती थी जहां हमारा राष्ट्रीय शिविर होता है। जब भी हमारा विश्राम करने का दिन होता है या जब सीनियर टीम आंतरिक मैच खेल रही होती है, तो हम उन्हें देखने जाते हैं। उन्होंने कहा- मैं ड्रैगफ्लिक लगाने के मामले में रूपिंदर पाल सिंह से सीख लेता हूं जबकि डिफेंस और खेल के मामले में मैं बीरेंद्र लाकड़ा का अनुसरण करता हूं। इस युवा खिलाड़ी ने कहा- दोनों बहुत अनुभवी हैं और टीम को विशेष कौशल प्रदान करते हैं। उनका अनुसरण करने से मुझे अपने खेल को सुधारने में मदद मिलती है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में बेलडिही नामक एक छोटी सी जगह के रहने वाले प्रताप को हॉकी विरासत में मिली है। उनके पिता और बहन हॉकी के कारण उस क्षेत्र में पहले से ही लोकप्रिय हैं। प्रताप ने 2017 और 2019 में सुल्तान ऑफ जोहोर कप के अलावा स्पेन में पिछले साल आठ देशों के टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना सबसे अधिक पसंद है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष का दावा, कोरोना के बाद और प्रगति कर सकता है एथलेटिक्स

नई दिल्ली । विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने सोमवार को दावा किया कि कोरोना वायरस महामारी के कारण जारी लॉकडाउन के बीच फिट रहने के लिए अधिक लोगों ने दौड़ना शुरू किया जिसका दुनिया भर में स्थिति सामान्य होने पर यह खेल फायदा उठा सकता है। को ने कहा कि अधिक लोगों के चलने और दौड़ने को आदत बनाने का एथलेटिक्स को फायदा मिल सकता है और उनका खेल इस बढ़े हुए आधार को मजबूत करने का प्रयास करेगा। एशियाई एथलेटिक्स महासंघ (एएएफ) द्वारा आयोजित आनलाइन मीडिया सेमिनार के दौरान को ने कहा, 'हम स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए काफी अच्छी स्थिति में हैं। अनुसंधान में पता चला है कि लॉकडाउन के दौरान पहले की तुलना में अधिक लोगों ने एक्सरसाइज को अपनाया है। कुछ अनुसंधान में दावा किया किया है कि वैश्विक एक्सरसाइज पैटर्न में 80 प्रतिशत इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा, 'एथलेटिक्स को मुख्य रूप से फायदा हुआ है क्योंकि लोग दौड़कर या चलकर एक्सरसाइज कर रहे हैं। यह काफी फायदे की स्थिति है। हम इसे नजरअंदाज नहीं करेंगे और महामारी के बाद इसे और मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। हम और अधिक युवा लोगों को इस खेल से जोड़ेंगे। को ने पार्करन ग्लोबल लिमिटेड के साथ गठजोड़ का भी जिक्र किया। ब्रिटेन की यह चैरिटी संस्था सप्ताहांत या खाली समय में दौड़ का आयोजन करती है। ओलंपिक की 1500 मीटर स्पर्धा में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता को ने स्पष्ट किया कि उनका संगठन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि रूस बड़े पैमाने पर डोपिंग के लिए मिली सजा का पालन करें। रूस बड़े पैमाने पर डोपिंग के लिए मिली सजा का पालन करें। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने 30 जुलाई को अपनी बैठक में फैसला किया था कि रूस महासंघ अगर 15 अगस्त से पहले 50 लाख डॉलर जुर्माने और खर्चे के 13 लाख 10 हजार डॉलर का भुगतान नहीं करता है तो उसकी सदस्य रद्द कर दी जाएगी। बड़े पैमाने पर डोपिंग के कारण रूस महासंघ लगभग पांच साल से निलंबित है और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के लिए विश्व एथलेटिक्स को जुर्माने के तौर पर लाखों डॉलर के भुगतान की एक जुलाई की समय सीमा से चूक चुका है।

मनितोम्बी की असामयिक निधन पर टीम के पूर्व खिलाड़ियों ने जताया शोक

नयी दिल्ली। रेनेडी सिंह और वेंकटेश षणमुघम सहित भारत के अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने अपनी टीम के साथी रहे मनितोम्बी सिंह की असामयिक मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें मैदान के अंदर एक 'योद्धा' और मैदान के बाहर एक 'दोस्त' के तौर पर याद किया। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के कप्तान रहे मनितोम्बी सिंह का 39 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया था। मनितोम्बी कोच स्टीफन कांस्टेंटाइन के मार्गदर्शन में खेलने वाली उस भारतीय अंडर -23 टीम के प्रमुख सदस्य थे जिसने 2003 में हो ची मिन्ह सिटी में वियतनाम को 3-2 से हराकर एलजी कप जीता था। उन्होंने 2002 बुसान एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारतीय टीम के उनके साथी खिलाड़ी और राष्ट्रीय टीम के मौजूदा सहायक कोच वेंकटेश ने कहा, ''उनकी मौत की खबर सुनकर मैं वाकई चौंक गया था। वह भारतीय फुटबॉल के लिए एक नगीना थे।'' वेंकटेस ने कहा, '' मैंने मैदान पर उनके कुछ शानदार प्रदर्शन देखे है। वह एक योद्धा थे, लेकिन उससे भी ज्यादा उनके प्रदर्शन में निरंतरता थी।'' डिफेंडर देबजीत घोष राष्ट्रीय टीम में मनितोम्बी के साथ खेलने के अलावा मोहन बागान में उनके कप्तान भी थे। उन्होंने उनकी निधन पर शोक जताते हुए कहा, '' मुझे यह सुनकर बहुत सदमा लगा कि उनका निधन हो गया है। वह मैदान के बाहर एक सच्चे दोस्त थे।'' मनितोम्बी के परिवार ने हालांकि उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा है।

शेन वार्न का दावा- जोस बटलर हमेशा बने रहे इंग्लैंड टीम में, बताई खासियत

मैनचेस्टर ।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिन दिग्गज शेन वार्न को लगता है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर जिन्होंने पहले टेस्ट में पाकिस्तान पर इंग्लैंड की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाई है, को हमेशा टेस्ट टीम का हिस्सा होना चाहिए। पहले टेस्ट में विकेटकीपिंग के दौरान कई गलतियां करने पर इंग्लैंड की टीम में बटलर की जगह पर सवाल उठने लगे थे। बटलर के नाम पर 45 टेस्ट में सिर्फ एक ही शतक है। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार पारी खेली। उन्होंने क्रिस वोक्स के साथ मिलकर तीन मैचों की श्रृंखला में इंग्लैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। वार्न ने कहा- जोस एक बहुत अच्छा और विश्वसनीय कीपर है, लेकिन कभी-कभार, आपके पास कुछ बुरे दिन आ जाते हैं। लेकिन जोस विशेष रूप से बल्ले के साथ जो कुछ करने में सक्षम है उसके कारण वह हमेशा टीम में होने चाहिए। वह टीम के बीच एक अच्छा नेता है। वह शांत है यानी क्रिकेट का पूरा पैकेज। वार्न ने यह भी कहा कि बटलर के भरोसेमंद रवैये के कारण ही वोक्स भी अच्छा खेले। वोक्स इससे पहले 6 टेस्ट मैचों में बल्ले से केवल 5.22 के औसत से रन ही बना पाए थे। लेकिन पहले टेस्ट में उन्होंने न सिर्फ नाबाद 84 रन बनाए बल्कि अपनी टीम को भी जितवा दिया। वार्न ने कहा- बटलर ने मुझे जिस चीज से प्रभावित किया, वह उसी तरह था, जिस पर वह खुद भरोसा करते थे। वार्न बोले- बटलर खूबसूरती से खेले।

उन्होंने दूसरे छोर पर खड़े वोक्स की मदद की जो फॉर्म के लिए संघर्ष कर रहे थे। मैं वोक्स के लिए बहुत खुश हूं और विशेष रूप से बटलर के लिए। यह एक अच्छी पिच पर शानदार पीछा था। उन्होंने कहा- यह एक विशेष जीत है और एक खिलाड़ी को बहुत गर्व होगा। मैंने इंग्लैंड से जो सबसे अच्छी चीज देखी, वह असली 'चरित्र' की जीत थी।

अमेरिकी गोल्फर ली हॉजेस ने जीता कोर्न फेरी टूर गोल्फ टूर्नामेंट

नार्थ प्लेन्स । अमेरिकी गोल्फर ली हॉजेस ने चौथे दौर में पार 71 का कार्ड खेलकर रविवार को दो शॉट की बढ़त के साथ कोर्न फेरी टूर पोर्टलैंड ओपन का खिताब अपने नाम किया। इस 25 साल के गोल्फर ने कुल 11 अंडर का स्कोर बनाया जो दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज चार गोल्फर से दो शॉट कम था। डेविड लिपस्की, कार्ल युआन, चाड रमी और पॉल बार्जन नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

क्यों मनायी जाती हैं 'कृष्ण जन्माष्टमी'

जन्माष्टमी के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

'जन्माष्टमी' के त्यौहार में भगवान विष्णु की, श्री कृष्ण के रूप में, उनकी जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना की जाती है। हिन्दुओं का यह त्यौहार श्रावण (जुलाई-अगस्त) के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भारत में मनाया जाता है। हिन्दु पौराणिक कथा के अनुसार कृष्ण का जन्म, मथुरा के असुर राजा कंस, जो उसकी सदाचारी माता का भाई था, का अंत करने के लिए हुआ था।

जन्माष्टमी के अवसर पर पुरूष व औरतें उपवास व प्रार्थना करते हैं। मन्दिरों व घरों को सुन्दर ढंग से सजाया जाता है व प्रकाशित किया जाता है। उत्तर प्रदेश के वृन्दावन के मन्दिरों में इस अवसर पर खर्चीले व रंगारंग समारोह आयोजित किए जाते हैं। कृष्ण की जीवन की घटनाओं की याद को ताजा करने व राधा जी के साथ उनके प्रेम का स्मरण करने के लिए रास लीला की जाती है। इस त्यौहार को कृष्णाष्टमी अथवा गोकुलाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

बाल कृष्ण की मूर्ति को आधी रात के समय स्नान कराया जाता है तथा इसे हिन्डौले में रखा जाता है। पूरे उत्तर भारत में इस त्यौहार के उत्सव के दौरान भजन गाए जाते हैं व नृत्य किया जाता है।

मानव जीवन सबसे सुंदर और सर्वोत्तम होता है। मानव जीवन की खुशियों का कुछ ऐसा जलवा है कि भगवान भी इस खुशी को महसूस करने समय-समय पर धरती पर आते हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु ने भी समय-समय पर मानव रूप लेकर इस धरती के सुखों को भोगा है। भगवान विष्णु का ही एक रूप कृष्ण जी का भी है जिन्हें लीलाधर और लीलाओं का देवता माना जाता है।

कृष्ण को लोग रास रसिया, लीलाधर, देवकी नंदन, गिरिधर जैसे हजारों नाम से जानते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा बताई गई गीता को हिंदू धर्म के सबसे बड़े ग्रंथ और पथ प्रदर्शक के रूप में माना जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण जी के ही जन्मदिवस के रूप में प्रसिद्ध है।

मान्यता है कि द्वापर युग के अंतिम चरण में भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसी कारण शास्त्रों में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के दिन अर्द्धरात्रि में श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी मनाने का उल्लेख मिलता है। पुराणों में इस दिन व्रत रखने को बेहद अहम बताया गया है। इस साल जन्माष्टमी 10 अगस्त यानी आज है।

कृष्ण जन्म कथा

श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि को रोहिणी नक्षत्र में देवकी व श्रीवसुदेव के पुत्र रूप में हुआ था। कंस ने अपनी मृत्यु के भय से अपनी बहन देवकी और वसुदेव को कारागार में कैद किया हुआ था। कृष्ण जी जन्म के समय घनघोर वर्षा हो रही थी। चारो ओर घना अंधकार छाया हुआ था। भगवान के निर्देशानुसार कुष्ण जी को रात में ही मथुरा के कारागार से गोकुल में नंद बाबा के घर ले जाया गया।

नन्द जी की पत्नी यशोदा को एक कन्या हुई थी। वासुदेव श्रीकृष्ण को यशोदा के पास सुलाकर उस कन्या को अपने साथ ले गए। कंस ने उस कन्या को वासुदेव और देवकी की संतान समझ पटककर मार डालना चाहा लेकिन वह इस कार्य में असफल ही रहा। दैवयोग से वह कन्या जीवित बच गई। इसके बाद श्रीकृष्ण का लालन-पालन यशोदा व नन्द ने किया। जब श्रीकृष्ण जी बड़े हुए तो उन्होंने कंस का वध कर अपने माता-पिता को उसकी कैद से मुक्त कराया।

जन्माष्टमी में हांडी फोड़

श्रीकृष्ण जी का जन्म मात्र एक पूजा अर्चना का विषय नहीं बल्कि एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस उत्सव में भगवान के श्रीविग्रह पर कपूर, हल्दी, दही, घी, तेल, केसर तथा जल आदि चढ़ाने के बाद लोग बड़े हर्षोल्लास के साथ इन वस्तुओं का परस्पर विलेपन और सेवन करते हैं।

महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के दौरान, कृष्ण के द्वारा बचपन में लटके हुए छींकों (मिट्टी की मटकियों), जो कि उसकी पहुंच से दूर होती थीं, से दही व मक्खन चुराने की कोशिशों करने का उल्लासपूर्ण अभिनय किया जाता है। इन वस्तुओं से भरा एक मटका अथवा पात्र जमीन से ऊपर लटका दिया जाता है, तथा युवक व बालक इस तक पहुंचने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं और अन्ततः इसे फोड़ डालते हैं।

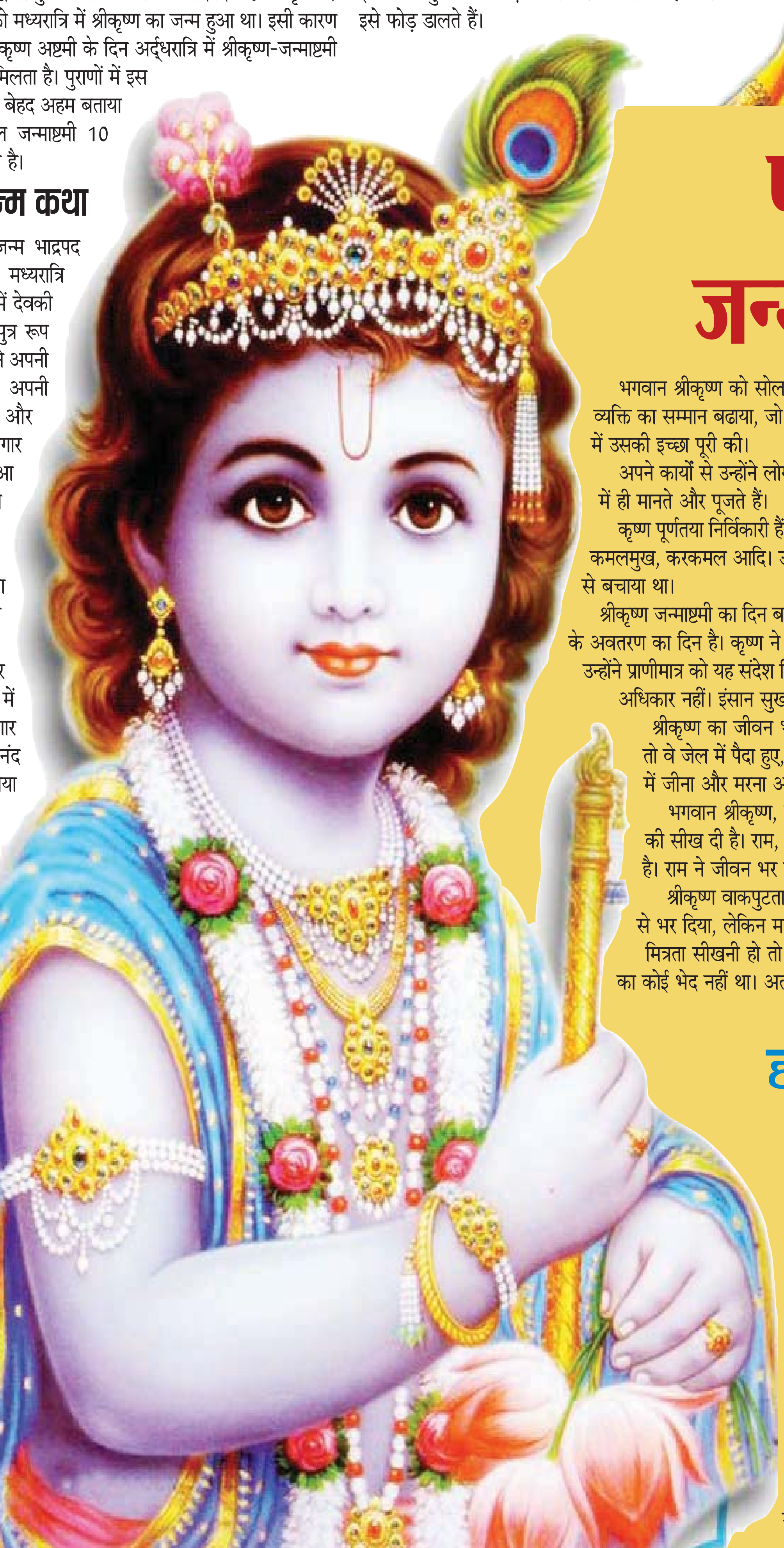

पवित्र है कृष्ण जन्माष्टमी का दिन

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की।

अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें भगवान श्रीकृष्ण के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग कमल शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया।

उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है।

श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है।

भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण और महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं वे देव बनकर जिए।

श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई।

मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

हर समस्या का करे अंत श्रीकृष्ण के विशेष मंत्र

बाल-गोपाल श्रीकृष्ण के मंत्र ना सिर्फ आर्थिक समस्या दूर करते हैं बल्कि जीवन की हर परेशानी में कान्हा के चमत्कारी मंत्र सहायक सिद्ध होते हैं। चाहे संतान प्राप्ति हो या घर में होने वाले कलह, लव मैरिज हो या विजय प्राप्ति की अभिलाषा, हर समस्या का अंत करते हैं श्रीकृष्ण के प्रस्तुत मंत्र।

कृष्णाष्टमी का व्रत करने वालों के सब क्लेश दूर हो जाते हैं। दुख-दरिद्रता से उद्धार होता है। जिन परिवारों में कलह-क्लेश के कारण अशांति का वातावरण हो, वहां घर के लोग जन्माष्टमी का व्रत करने के साथ इस मंत्र का अधिकाधिक जप करें-

कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।
प्रणत क्लेश नाशाय गोविन्दाय नमोनमः॥

इस मंत्र का नित्य जप करते हुए श्रीकृष्ण की आराधना करें। इससे परिवार में खुशियां वापस लौट आएंगी।

पश्चिम मुखी घर को शुभ बनाने के उपाय

घर का मुख्य द्वार पश्चिम उत्तर दिशा में रखें। नैत्र+त्य यानी दक्षिण पश्चिम दिशा में घर का मुख नहीं होना चाहिए। इससे परिवार के पुरुष को मानसिक परेशानी एवं शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ता है। इससे परिवार को आर्थिक समस्याएं का सामना भी करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार का भूमिगत टैंक जैसे फ्रैश वाटर टैंक, बोरिंग, कुआं, सैप्टिक टैंक उत्तर अथवा पूर्व दिशा में होना चाहिए। ? पश्चिम की तुलना में पूर्व दिशा में और दक्षिण की तुलना में उत्तर दिशा में ज्यादा खुली जगह होनी चाहिए। भवन का ईशान यानी उत्तर पूर्व कोण घटा, कटा, गोल अथवा ऊंचा नहीं होना चाहिए और नैत्रत्य यानी दक्षिण पश्चम कोण बढ़ा हुआ अथवा नीचा नहीं होना चाहिए। यह ध्यान रखें कि घर की ऊंचाई जमीन से एक से दो फीट ऊंची और घर में फर्श एक समान हो। अगर वास्तु के इन नियमों का पालन करेंगे तो पश्चिममुखी घर में रहते हुए दिनों दिन समृद्ध और खुशहाल होते जाएंगे।

अशुभ नहीं होता छत्तीस गुणों का मिलना

कई बार शादी-ब्याह के मामले में परिवार वालों वर-वधू के गुणों के कारण कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।कभी कुंडली और कभी गुण परेशानियां तो होती हैं।शादी मे वर-वधु की कुंडली में 36 गुणों का मिलना बढा ही शुभ माना जाता है।इसलिए अक्सर वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियों से बचने के लिए माता-पिता बच्चों की कुण्डली मिलवाते हैं।और यह भी कहा जाता है कि जिनके 36 में से 36 गुण मिल जाते हैं वह अच्छी जोड़ी होती है। लेकिन 36 का यह आंकड़ा वैवाहिक जीवन के लिए शुभ नहीं होता है। भगवान राम और देवी सीता के 36 गुण मिले थे लेकिन दोनों सुख में कभी साथ नहीं रहे। इसलिए गुण मिलवाते समय कई बातों का ध्यान रखना चाहिए खास तौर पर यह देखना चाहिए कि पति पत्नी दोनों की नाड़ी एक नहीं हो। ज्योतिषशास्त्र में तीन नाड़ियों का जिक्र किया है आदि, मध्य और अन्त्य। आचार्य वाराहमिहिर कहते हैं कि यदि वर और कन्या दोनों की नाड़ी आदि होती है तो रिश्ता अधिक समय तक कायम नहीं रह पाता है।मध्य नाड़ी सबसे खतरनाक होती है इससे पति-पत्नी के जीवन पर संकट के बादल मंडराते हैं जबकि अन्त्य नाड़ी होने पर वैवाहिक जीवन कष्टमय हो जाता है।आयुर्वेद के अनुसार पति-पत्नी की समान नाड़ी होने पर संतान सुख में बाधा आती है। इनकी होने वाली संतान शारीरिक एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ हो सकती है।जो व्यक्ति नाड़ी मिलने के बाद भी किसी कारण विवाह करना चाहते हैं वह ज्योतिषशास्त्र में बताए गये उपायों को करने बाद विवाह कर सकते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सोने का सांप बनवार उसकी पूजा करें इसके बाद महामृत्युंजय मंत्र का जप करवाएं। जप पूजा होने के बाद अपनी क्षमता के अनुसार सोना, गाय, वस्त्र अथवा अन्न का दान करना चाहिए। इससे नाड़ी दोष का प्रभाव कम हो जाता है।

अशुभ हो सकता है सुंदर रत्न मूंगा

आत्मविश्वास और साहस बढ़ाने वाला सुंदर रत्न मूंगा बिना जन्म पत्रिका दिखाए पहना जाए तो इससे दुर्घटना भी हो सकती है। स्त्रियों की पत्रिका में मंगल अष्टम में नीच शत्रु राशिस्थ हो या शनि से इष्ट हो या शनि मंगल के साथ हो तो जीवन को भारी क्षति पहुंचा सकता है। यहां तक कि विधवा भी बना देता है।

सप्तम में मंगल या लग्न में मंगल भी कभी-कभी हानिकारक साबित हो सकता है। चतुर्थ भाव में पड़ा मंगल पारिवारिक सुख-चैन खत्म कर देता है। द्वितीय भाव स्त्री कुंडली में सौभाग्य सूचक है। इस भाव में पड़ा मंगल अशुभ हो तो मूंगा पहनने वाली स्त्री जल्दी विधवा हो जाती है। पारिवारिक कलह, कुटुंब से मनमुटाव और वाणी में दोष भी उत्पन्न करता है। भले वाणी साथ हो, लेकिन कटु वचन से सब कुछ बिगड़ जाता है। शनि और मंगल की युति कहीं भी हो तो मूंगा नहीं पहनना चाहिए। लग्न में मंगल शुभ हो, लेकिन नवांश में मंगल की स्थिति खराब हो तो तब भी मूंगा नहीं पहनना चाहिए। पत्रिका में सोलह वर्ग होते हैं। जिसे षोडष् वर्गी पत्रिका कहते हैं। उन सबको देखे बिना मूंगा पहनना भी महंगा हो सकता है। द्रेष्काण मातृ सौख्यम में शनि-मंगल का दृष्टि संबंध हो तो भाई को नुकसान देगा। ऐसी स्थिति में मूंगा कदापि न पहनें। बल्कि जिस भाव में हो, उस भाव के स्वामी की स्थिति लग्न में शुभ हो उसका रत्न पहनना चाहिए। मंगल भूमि, मकान, भवन-निर्माण से संबंधित, पुलिस, सेना, प्रशासन क्षमता का कारक होता है। ये युद्धोन्यादि का भी कारक है। अतः आप जब भी मूंगा पहनें किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेकर ही शुभ मुहूर्त में बनवाकर शुभ मुहूर्त में धारण करें।

कभी-कभार कमजोर इच्छा शक्ति भी होती है फायदेमंद

हर व्यक्ति में आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति का होना काफी अहम माना जाता है।क्योंकि उसके बिना जिंदगी में सफलता हासिल कर पाना काफी मुश्किल हो जाता है। पर ऐसा हमेशा हो कोई जरूरी नहीं है। हारने का भी अपना ही एक मजा है। कमज़ोर इच्छाशक्ति भी कभी - कभी फायदेमंद होती है।जर्मनी में वियना में हुई साइकोलॉजिस्ट कांफ्रेंस में दो मनोविज्ञानी कैथरीन रॉन और कैथलीन वोस ने एक शोधपत्र पढ़ा जिसमें कहा कि सुख शांति से रहने के लिए जरूरी है कि यदा-कदा आत्मशक्ति उबारे बिना सब कुछ हालात के हवाले भी छोड़ देना चाहिए। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सभी दवाओं का स्वाद अप्रिय होता है। कुछ दवाएं तो गले ही नहीं उतरती। इसका अर्थ यह भी तो हो सकता है कि वह औषधि आपके शरीर की बनावट से मेल नहीं खा रही। शरीर उसे ग्रहण करने में अपने आपको असमर्थ पा रहा है।दरअसल इच्छा शक्ति का इस्तेमाल एक संसाधन के तौर पर ही होता है ताकि हम वह चीजें कर सकें जो हमें करनी चाहिए।जो करनी चाहिए वे चीजें तो हमारे लिए अच्छी हैं। पर जो चीजें अच्छी नहीं हैं उनके लिए इच्छा शक्ति का उपयोग थका देता है। इसलिए कई बार इच्छाशक्ति का बेशुमार इस्तेमाल करने के बजाय चीजों को भगवान भरोसे छोड़ देना ज्यादा कारगर रहता है। वरना जरूरत से ज्यादा संयम या इच्छाशक्ति का उपयोग हानि भी पहुंचा सकता है। क्योंकि वह आखिर एक उपकरण या साधन भी तो है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस विधायक अदिति सिंह का बड़ा बयान, कहा–मेरे राजनीतिक गुरु हैं योगी

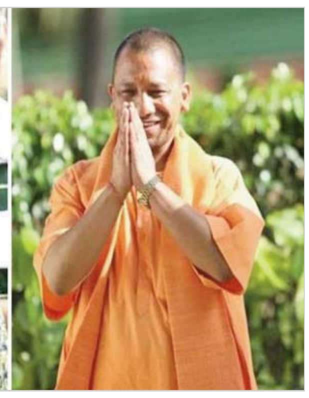

रायबरेली।

कांग्रेस विधायक अदिति सिंह ने एक बार फिर पार्टी से इतर बड़ा बयान दिया है। सोमवार को अदिति सिंह ने कहा कि मेरी सियासत के राजनीतिक गुरु सीएम योगी आदित्यनाथ हैं। जिनकी वजह से मैं हर लड़ाई लड़ रही हूं। दरअसल रायबरेली के सिविल लाइन चौराहे पर स्थित कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन पर कई दशकों से पटरी दुकानदार काबिज हैं। जिन्हें हटाने के लिए न्यायालय की तरफ से नोटिस दिया गया था। न्यायालय के आदेश पर वंहा से हटाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद आज उन दुकानदारों के पक्ष में सदर विधायिका अदिति सिंह खुल कर उतर आई। इस दौरान अदिति सिंह के समर्थकों ने योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगवाए। समर्थकों के जोश के साथ अदिति सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरे राजनीतिक गुरु हैं और मैं इस मामले को मुख्यमंत्री योगी के संज्ञान में ले जाऊंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कराने का भरोसा दिया है। योगी जी की सरकार में किसी पर कोई अत्याचार नहीं होगा। प्रशासन ने इस मामले में गरीबों की नहीं सुनी, उनको सुनवाई का मौका तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मेरे पिता ने हमेशा गरीबों की लड़ाई लड़ी मैं उनके रास्ते पर चल रही हूं। इस दौरान उन्होंने कमला नेहरू ट्रस्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि जब जमीन पर कई दशक से ये दुकानदार काबिज हैं तो ट्रस्ट के पक्ष में ये जमीन कैसे फ्री होल्ड हो गई। बता दें कि बीते दिनों कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर अदिति सिंह को महिला विंग के महासचिव पद से उन्हें निलंबित कर दिया। तो ट्रस्ट के पक्ष में ये जमीन कैसे फ्री होल्ड हो गई। बता दें कि बीते दिनों कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर अदिति सिंह को महिला विंग के महासचिव पद से उन्हें निलंबित कर दिया।

इसके बाद अदिति सिंह ने अपने ट्वीटर पेज से आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) हटा दिया। इसके बाद अदिति ने कांग्रेस के सभी व्हाट्सअप ग्रुप से खुद को हटा लिया। गौरतलब है कि सूबे में योगी सरकार बनने के बाद से ही अदिति सिंह का झुकाव बीजेपी की तरफ देखने को मिला है। कई बार उन्होंने केंद्र व योगी सरकार के पक्ष में बोलती भी नजर आई हैं।

केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला, दिल्ली में नहीं होंगी कॉलेज-यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं

नेशनल डेस्क।

कोरोना संकट के चलते केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की इस साल आयोजित न हो सकी परीक्षाओं को न करवाने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि दिल्ली राज्य के विश्वविद्यालयों की परीक्षा रद्द कर दी गई है। त्रष्ट ने देशभर के विश्वविद्यालयों को अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 30 सितंबर तक आयोजित करवाने का निर्देश दिया था जिसका 31 छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकार से जानना चाहा कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम विश्वविद्यालय त्रष्ट के दिशा-निर्देशों को प्रभावित कर सकते हैं? इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर विश्वविद्यालयों के अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने संबंधी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सवाल उठाए कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत यूजीसी की अधिसूचना और दिशानिर्देश रद्द किए जा सकते हैं? इस पर त्रष्ट की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब के लिए कुछ समय मांगा और खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। सुनवाई के दौरान मेहता ने दलील दी कि दिल्ली और महाराष्ट्र सरकार ने अपने यहां विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में परीक्षाएं निरस्त करने के आदेश जारी कर दिये हैं। उन्होंने कहा, ''आखिर जब त्रष्ट डिग्री देने के लिए अधिकृत है तो राज्य सरकार कैसे परीक्षा रद्द करने का निर्णय ले सकते हैं। त्रष्ट की ओर से 14 अगस्त को यह बताया जायेगा कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत यूजीसी की परीक्षा संबंधी अधिसूचना रद्द कर सकती है।

जवान को मार कर आतंकियों ने वायरल किया ऑडियो, कहा- हम नहीं सौपेंगे शव

नेशनल डेस्क। कश्मीर घाटी में आतंकियों के नापाक मंसूबों को हर बार भारतीय सेना नाकामयाब करती जा रही है। सेना से बार बार मुंह की खाने के बाद आंतकी बौखला चुके हैं और इसी का नतीजा है कि अब वह कायराना हरकत पर उतर आए हैं। भाजपा नेताओं के साथ साथ वह सेना के जवानों को भी निशाने पर ले रहे हैं। कश्मीर के कुलगाम में हाल ही में किडनैप एक जवान को आतंकियों ने मार डाला है, जिसका खुलासा एक ऑडियो में हुआ है। दरअसल सोशल मीडिया में रविवार को एक ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक शख्स खुद को आतंकी बताते हुए कह रहा है कि जवान का हमने अपहरण किया। उस शख्स का कहना है कि जवान का अपहरण करने के बाद हमने उसकी हत्या कर दी है। इसलिए उसकी तलाश खत्म कर दें। ऑडियो में आगे कहा गया कि हम लोग पिछले काफी समय से जवान की हरकतों को देख रहे थे। वह आतंकियों के खिलाफ काम करने में लगा हुआ था। आतंकी ने जवान का शव ना सौपने के पीछे कोरोना का हवाला दिया। उसने कहा कि कोरोना के कारण जवान शव को वापस नहीं दिया गया है क्योंकि उसके जनाजे में लोग जमा होते। ऐसे में हमने शव को किसी अज्ञात स्थान पर दफना दिया है, इसलिए उसकी तलाश खत्म कर दी जाए। आतंकी आगे कहता है कि अगर पुलिस और सेना किसी ऑपरेशन में किसी आतंकी को मारती है ।

5 गंभीर बीमारियों के बाद भी 64 साल के बुजुर्ग ने कोरोना को दी मात, डॉक्टर भी हैरान

नई दिल्ली। अच्छे खासे हिस्ट-पुष्ट लोग भी कोरोना से जंग हार जा रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) में पहला एक हैरान करने वाला केस सामने आया है, जिसमें पांच गंभीर बीमारियों से पीड़ित होने के बावजूद एक बुजुर्ग ने कोरोना को मात दे दी। अब इसे ईश्वर का करिश्मा समझे या मरीज के जब्जे और हिम्मत का बल। वहीं अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश का कहना है कि एलएनजेपी अस्पताल में पहला ऐसा केस है, जिसमें एक मरीज में एक साथ सभी गंभीर बीमारियों हो। मरीज को कैंसर, मल्टी ऑर्गन फेलियर दो महीने से डायलेसिस हो रहा था। इसके साथ मरीज का हार्ट भी 25 फीसदी ही काम कर रहा था और मरीज को टीवी और निमोनिया की भी बीमारी है। 5 गंभीर बीमारी होने के बाद भी मरीज की हिम्मत और डॉक्टर की अथाह प्रयास के बाद उन्होंने कोरोना को शिकस्त देते गए और स्वस्थ होकर घर लौट गए। कई बीमारियों के साथ कोरोना से जंग जीतना उनकी बड़ी उपलब्धि है। ऐसे में अर्जुन पार्क नजबगढ़ के रहने वाले 64 साल के बुजुर्ग राजदेव दीक्षित ने कोरोना को हरा दिया। बुजुर्ग के डॉक्टर बेटा अमित कुमार दीक्षित का कहना है ।

एयर इंडिया ने खो दिया अपना अनुभवी पायलट, अंतिम विदाई देते वक्त रो पड़े साथी

नेशनल डेस्क।

केरल के कोझिकोड में हुए दर्दनाक विमान हादसे को शायद ही देश कभी भूला पाएगा। इस घटना में बेमौत मारे गए दोनों पायलट समेत 18 लोगों के शव रविवार को एक एक कर अपने घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों का कलेजा पसीज उठा। हर तरफ सिर्फ चीख पुकार ही सुनाई दे रही थी। अपनों के घर लौटने का इंतजार कर रहे परिवार वालों को क्या मालूम था कि उनकी जगह शव आएंगे। एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के पायलट रहे कैप्टन दीपक साठे के पार्थिव शरीर को रविवार दोपहर को कुछ समय के लिए छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल दो के पास स्थित एअर इंडिया की इकाई में रखा गया, जहां एअर इंडिया के पायलटों, चालक दल के सदस्यों और ग्राउंड स्टाफ ने दिवंगत कैप्टन को हवाई अड्डे पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस समय हर किसी की आंखे नम थी। एअर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साठे (58) का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। साठे मुंबई के चांदीवली उपनगरीय क्षेत्र के रहने वाले थे। उनके दो पुत्रों में से एक सोमवार रात को अमेरिका से भारत पहुंचेंगे। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को दोपहर में भाभा अस्पताल ले जाया गया। साठे की पत्नी सुषमा और उनके एक पुत्र पार्थिव शरीर के साथ थे। दुबई से चालक दल के छह सदस्यों सहित 190 लोगों को लेकर आ रहा विमान शुक्रवार रात में भारी वर्षा के बीच कोझिकोड हवाई अड्डे पर उतरते समय रनवे से फिसल कर 35 फुट गहरी घाटी में गिर गया था। विमान दो हिस्सों में टूट गया था और इस दुर्घटना में दोनों पायलटों सहित 18 लोग मारे गए थे। इस बीच दिवंगत साठे के नागपुर स्थित परिवार के सदस्यों ने मीडिया से आग्रह किया है कि दुख की इस घड़ी में उनकी निजता का सम्मान किया जाए। कैप्टन साठे के पिता ब्रिगेडियर वसंत साठे (सेवानिवृत्त) नागपुर में रहते हैं। एक निकट रिश्तेदार ने रविवार को कहा कि पूरा साठे परिवार दुख की इस घड़ी में एकजुट है।

ब्रिटिश सिख एसो. ने खालिस्तान की मांग करने वालों को लगाई लताड़, कहा-छोड़ दो ब्रिटेन

लंदन।

एक ब्रिटिश सिख एसोसिएशन ने यूके में रहकर भारत के टुकड़े कर अलग खालिस्तान देश की मांग करने वालों को जमकर फटकार लगाई है। एसोसिएशन ने ऐसे लोगों को ब्रिटिश पासपोर्ट छोड़ने की सलाह देते हुए कहा कि ये लोग पंजाब जाकर प्रदर्शन करें ताकि पता चले कि वो लोग इसके लिए कितने गंभीर हैं। इससे पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यह सुनिश्चित किया था कि उनकी सरकार अलग आजाद देश के आंदोलन का समर्थन नहीं करेगी। दो दिन पहले ब्रिटिश कारोबारी लॉर्ड रमींदर (रमी) रेंगर ने ट्वीट किया, आज मैंने प्रधानमंत्री जॉनसन से बात की। उन्होंने सुनिश्चित किया है कि ब्रिटिश सरकार सिखों के लिए आजाद मुल्क के आंदोलन का समर्थन नहीं करेगी। धन्यवाद, प्रधानमंत्री। उनके इस पोस्ट पर लेबर पार्टी की सांसद प्रीत कौर गिल ने कहा, आत्मनिर्णय का सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 1 में प्रमुखता से शामिल है। इस बयान के लिए उन्हें ब्रिटेन में रह रहे सिखों ने ट्रोल किया था। पेशे से पत्रकार कुलदीप सिंह शेखावत ने कहा, यह आंदोलन एक फर्जी आइडिया है। भारत में ऐसा कोई नहीं है जो अलग देश की मांग कर रहा है। भारतीय सिख जानते हैं कि भारत उनके लिए है और वो भारत के लिए हैं। हालांकि, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रही सिख फेडरेशन यूके ने गिल का समर्थन करते हुए कहा, सिखों का अपनी मातृभूमि पर कानूनी और ऐतिहासिक अधिकार है।

अवमानना केस में प्रशांत भूषण, तरुण तेजपाल को नहीं राहत ,उच्चतम न्यायायालय ने कहा– और होगी सुनवाई

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायायालय ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ता-अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ 2009 के आपराधिक अवमानना मामले में और सुनवाई की जरूरत है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अगुवाई वाली एक पीठ ने कहा कि वह मामले को सुनेगा और यह देखेगा कि न्यायाधीशों के बारे में भ्रष्टाचार पर टिप्पणी असल में अवमानना है या नहीं। पीठ जिसमें न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल

हैं, ने इस मामले में अगली सुनवाई 17 अगस्त को तय की है। शीर्ष अदालत ने नवंबर 2009 में एक समाचार पत्रिका के साक्षात्कार में शीर्ष अदालत के कुछ मौजूदा एवं पूर्व न्यायाधीशों पर कथित तौर पर आक्षेप लगाने के लिए भूषण और तेजपाल को अवमानना नोटिस जारी किया था। तेजपाल तब इस पत्रिका के संपादक थे। चार अगस्त को, शीर्ष अदालत ने भूषण और तेजपाल को स्पष्ट किया था कि वह मामले में अगर उनका च्स्पष्टीकरणज्ज् या च्माफीज्ज् स्वीकार नहीं करती है तो वह सुनवाई करेगी।

कश्मीर मुद्दे पर सऊदी के खिलाफ टिप्पणी कर बुरी तरह फंसे पाक विदेश मंत्री, घर में ही लगी लताड़

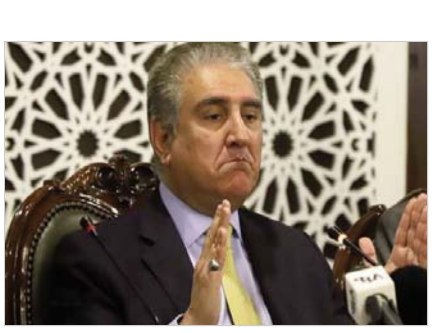

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ जहर उगलने से बाज नहीं आता है । लेकिन इस बार पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कश्मीर मुद्दे को लेकर सऊदी अरब के खिलाफ टिप्पणी कर अपने ही देश में घिर गए हैं । कश्मीर को लेकर पाक और सऊदी के बीच आई दूरी अब दुनिया को भी नजर आने लगी है। इसकी मिसाल तब सामने आई जब पाकिस्तान को सऊदी अरब को एक अरब डॉलर (लगभग 7500 करोड़ रुपए) का भुगतान करना पड़ा। दरअसल इसके लिए सऊदी के खिलाफ कुरैशी की तल्ख टिप्पणी को जिम्मेदार माना जा रहा है। सऊदी द्वारा पाक से कर्ज वापसी के फैसले के बाद इस्लामाबाद धीरे-धीरे अन्य मुस्लिम देशों का भी समर्थन खोता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में दो पाकिस्तान पत्रकारों रऊफ क्लासरा और अमीर मतीम ने पाकिस्तान के प्रति सऊदी अरब के रुख में आए अचानक बदलाव पर चर्चा की। मतीम ने इस तरह का बयान देने के लिए कुरैशी की आलोचना करते हुए कहा कि वह कभी-कभी भावनात्मक रूप से बोलते हैं और मामले को बहुत दूर तक ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय संकट में सऊदी अरब ही पाकिस्तान का एकमात्र सहारा है, ऐसे में कुरैशी को उसके खिलाफ कोई भी बयान देने से पहले सोचना चाहिए। मतीम ने कहा कि यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि चूंकि सऊदी अरब पाकिस्तान का दोस्त है, इसलिए वह कश्मीर पर उसी तरह का रुख अपनाएगा। हमें ध्यान रखना चाहिए कि यह एक कॉलेज नहीं है बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय परिक्षेत्र है। कुछ दिनों पहले शाह ने कहा था कि कश्मीर मुद्दे पर सऊदी अरब ने ओआइसी के विदेश मंत्रियों की आपात बैठक नहीं बुलाई तो पाकिस्तान खुद यह बैठक बुला सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सऊदी अरब बैठक नहीं बुलाता है तो मैं प्रधानमंत्री इमरान खान से यह आग्रह करने के लिए विवश हो जाऊंगा कि वे खुद उन इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं, जो कश्मीर मुद्दे पर हमारे साथ हैं। कर्ज पैकेज के तहत पाकिस्तान को 3.2 अरब डॉलर (करीब 24 हजार करोड़ रुपये) का तेल उधार में देने का प्रावधान किया गया था। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, इस प्रावधान की मियाद दो महीने पहले ही खत्म हो चुकी है। इसका अब तक नवीनीकरण नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने चीन से उधार लेकर सऊदी अरब से लिए कर्ज में से एक अरब डॉलर (करीब साढ़े सात हजार करोड़ रुपये) की किस्त समय से चार महीने पहले ही चुका दी है, लेकिन बाकी कर्ज चुकाने के लिए भी वह चीन का मुंह देख रहा है। लेकिन बाकी कर्ज चुकाने के लिए भी वह चीन का मुंह देख रहा है। लेकिन बाकी कर्ज चुकाने के लिए भी वह चीन का मुंह देख रहा है।

इन तीन राज्यों में कोरोना ने बरपाया कहर, डर के साए में लोग

नई दिल्ली। देश में एक दिन में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से 1007 लोगों की मौत हो गयी जिसमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक मौत हुई है। तीन राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान क्रमशः 390, 119 और 107 लोगों की कोरोना के संक्रमण से जान चली गयी है। महाराष्ट्र में जहां अब तक 351,710 मरीज स्वस्थ हो गए हैं वहीं तमिलनाडु में 238,638 मरीज इस महामारी से उबर गये हैं जबकि आंध्र प्रदेश और दिल्ली से कोरोना के कुल क्रमश- 138,712 और 130,587 मरीज स्वस्थ हुए हैं। देशभर में अब तक 15,35,743 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली बार एक दिन में सर्वाधिक 62,063 संक्रमण के मामले आने से इनकी संख्या 22,15,074 हो गयी है। पिछले 24 घंटों के दौरान 1007 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 44,386 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर पिछले दिन से बढ़कर 69.33 प्रतिशत पर पहुंच गयी है और मृत्यु दर घटकर 2.0 प्रतिशत हो गई है।दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1208 बढ़ी है और यहां अब 80,981 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 107 बढ़कर 3198 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 93,908 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 145 कम होकर 53,336 हो गये हैं तथा 4927 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 2,38,638 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1713 बढ़ी है जिससे 47,890 सक्रिय मामले हो गये हैं ।

संक्षिप्त समाचार

देश की लूट और पर्यावरण की तबाही रोके मोदी सरकारः राहुल गांधी

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) के मसौदे को लेकर सोमवार को सरकार पर फिर से निशाना साधते हुए कहा कि इसे वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ईआईए-2020 के मसौदे का मकसद 'देश की लूट है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट में दावा किया कि यह एक और ख़ौफ़नाक उदाहरण है कि भाजपा सरकार देश के संसाधन लूटने वाले चुनिंदा सूट-बूट वाले 'मित्रों के लिए क्या-क्या करती आ रही है। उन्होंने कहा कि देश की लूट और पर्यावरण की तबाही को रोकने के लिए ईआईए-2020 का मसौदा वापस लिया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने रविवार को भी लोगों से अपील की थी कि वे नए पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) 2020 मसौदे के खिलाफ प्रदर्शन करें क्योंकि यह खतरनाक है और अगर अधिसूचित होता है तो इसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी होंगे। गौरतलब है कि पर्यावरण मंत्रालय ने इस साल मार्च में ईआईए के मसौदे को लेकर अधिसूचना जारी की थी और इस पर जनता से सुझाव मांगे गए थे। इसके तहत अलग-अलग परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी देने के मामले आते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की रिहर्सल में जुटी पुलिस की टुकडि़यां

कठुआ । स्वतंत्रता दिवस के चलते रिहर्सल का दौर शुरू कर दिया गया है। कोविड 19 के चलते इस बार स्कूली टुकडि़यों को मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति नहीं है। सिर्फ पुलिस की टुकडि़यां ही परेड में भाग लेंगी और तिरंगे को सलामी देंगी। रविवार को रिहर्सल के चलते पुलिस की टुकडि़यों ने मार्च पास्ट किया। आपको बता दें कि इस बार कोविड 19 के चलते गत वर्षों की भांति होने वाला कार्यक्रम इस बार नहीं हो पाएगा। आमूनन गत कई वर्षों से मुख्य आयोजन में सांस्कृति एवं देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते रहे हैं लेकिन इस बार इस तरह के कार्यक्रम भी देखने को नहीं मिलेंगे। सिर्फ टुकडि़यां मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी देंगी। इसके अलावा विभिनन उपमंडलों सहित अन्य स्थानों पर भी अधिकारी सरकार के आदेशों पर तिरंगा फहराएंगे।

फल और सब्जियां शौंक से खाने वाले हो जाएं थोड़ा सावधान, हो सकता है कैंसर

नई दिल्ली। आलू में रसायनों के प्रयोगों को लेकर लगातार बहस बढ़ती चली जा रही है, लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में कई और चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं, जिनमें आलू के साथ ही लहसुन को सफेद पाउडर से चमकाने, अदरक को तेजाब से धोने, सेब व परवल को रंगने की भी खबरें सामने आने लगी हैं। यानि ये तय है कि जो सब्जी व फल आप खा रहे हैं वो आपके लीवर व किडनी को खराब करने के साथ ही कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों को जन्म दे रहे हैं। हालांकि इतने हंगामें के बाद भी राज्य सरकार व केंद्र सरकार का खाद्य विभाग चुस्ती से मंडियों से सैंपल क्यों नहीं उठा रहा है, ये एक बड़ा प्रश्न है। एशिया की सबसे बड़ी मंडी आजादपुर में आने व किसानों के सब्जी व फल बेचने के बाद बिचौलियों या खरीदारों द्वारा इस खतरनाक रसायनों के खेल को खेला जा रहा है। सब्जियों को सुंदर दिखाने के लिए लहसुन पर भी सफेद पाउडर अब लगाया जाता है, ताकि वो सफेद और चमकदार दिखे। ऐसा लहसुन फायदे से अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। यही नहीं, अदरक मंडी के बाहर तेजाब से धोई जा रही है ताकि चमक आ सके। आजादपुर मंडी के चयनित सदस्य अनिल मल्होत्रा ने बताया कि मंडी में हल्द्वानी या पहाड़ी आलू सिर्फ 10 फीसदी आता है। पहाड़ी आलू बनाने की होड़ में उत्तर प्रदेश के संभल जिले में आलुओं पर रसायन का प्रयोग कर दिल्ली के बाजारों में बेचा जा रहा है। दो साल पहले संभल के आलुओं पर रोक लगाई गई थी लेकिन अब ये दोबारा बेचा जा रहा है। अब आजादपुर के आढ़तियों में नकली आलू को लेकर डर बैठ गया है और वो आलू नहीं खरीद रहे हैं।

कोझिकोड जैसा हादसा होने से टला, पायलट ने शिरडी की जगह मुंबई में उतारा विमान...भड़के यात्री

नेशनल डेस्क । रविवार को कोझिकोड जैसा विमान हादसा होते-होते टल गया। पालयट ने समझदारी दिखाते हुए विमान की मुंबई में लैंडिंग करवा दी। दरअसल दिल्ली से शिरडी आ रही फ्लाइट में कुछ तकनीकी गड़बड़ी के कारण मुंबई में उतारना पड़ा। इंडिगो की फ्लाइट 6-2019 ने दिल्ली से शिरडी के लिए उड़ान भरी थी लेकिन कुछ तकनीकी गड़बड़ी के कारण उसे मुंबई के लिए रवाना कर दिया गया। वहीं फ्लाइट में सवार यात्री डर गए। कई यात्रियों ने कहा कि कोझिकोड विमान हादसे के बाद भी एयरलाइन ने कोई सबक नहीं लिया। एक यात्री ने कहा कि विमान में मेंटेनेंस को लेकर बड़ी चूक का पता चला जिसे एयरलाइन को पहले ही चेक कर लेना चाहिए था। यात्री ने बताया कि शिरडी लैंड होने से पहले पता चला कि विमान में कुछ गड़बड़ी है, इस पर क्रू ने कहा कि एयरपोर्ट पर कुछ गड़बड़ी के कारण फ्लाइट को मुंबई ले जाया जा रहा है। जबकि फ्लाइट के मुंबई पहुंचने से ठीक पहले कैप्टन ने अनाउंस किया कि विमान के लैंडिंग गियर में कुछ गड़बड़ी थी जिससे विमान को मुंबई लाना पड़ा। यात्री ने बताया कि विमान के मुंबई उतरने पर भी उसे खींचना पड़ा और सभी को एक तेज आवाज सुनाई दी जैसे कि लैंडिंग गियर में कुछ टूट गया हो, इसके बाद विमान अचानक ठहर गया। हमलोग काफी डर गए थे, हमें अपनी जिंदगी गंवानी पड़ती। हमलोग काफी डर गए थे, हमें अपनी जिंदगी गंवानी पड़ती। एक यात्री ने उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को ट्वीट किया और लिखा कि को मुंबई के लिए डायवर्ट कर दिया गया जो शिरडी जा रही थी, सभी यात्री एयरपोर्ट पर 2-3 घंटे तक फंसे रहे, अगर एयरलाइन किसी दूसरे फ्लाइट का इंतजाम नहीं कर सकती तो यात्रियों को एक रात ठहराने का बंदोबस्त करना चाहिए था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय-अमेरिकियों ने भारत के खिलाफ चीन की आक्रमकता का विरोध किया

वाशिंगटन।

राजधानी वाशिंगटन और उसके आस-पास के क्षेत्रों में भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह ने भारत के प्रति चीन की आक्रमकता और देश के अशांत मुस्लिम बहुल शिनजियांग क्षेत्र में उइगर अल्पसंख्यक समूह के मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ यहां प्रदर्शन किए। शारीरिक दूरी बरकरार रखते हुए और मास्क पहने हुए, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी रविवार को यूएस कैपिटल के सामने स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय मॉल पर एकत्रित हुए और उन्होंने चीन विरोधी पोस्टर, बैनर दिखाए तथा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) और उसके नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी यूएसके के अदापा प्रसाद ने कहा, इन गर्मियों में जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस से लड़ रही थी, चीन दूसरे की जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा था। यह न सिर्फ भारत में लद्दाख की बात है बल्कि उसके अन्य पड़ोसियों के संबंध में भी है। अब समय है कि विश्व इस चीनी आक्रमता के खिलाफ एकजुट हो।÷ भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पांच मई के बाद से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आस-पास के कई इलाकों में गतिरोध जारी है। यह स्थिति 15 जून को गलवान घाटी संघर्ष के बाद से बिगड़ गई थी जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और चीनी सैनिकों के मारे जाने की भी खबरें आईं लेकिन उनकी संख्या पता नहीं चली। भारतीय मूल के अमेरिकी रिपब्लिकन एवं प्राउड अमेरिकन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी के संस्थापक पुनीत अहलुवालिया ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने उइगर समुदाय के धार्मिक अधिकारों का हनन किया है और हांगकांग के लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर बनने की दौड़ में शामिल अहलुवालिया ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के खिलाफ सख्त कदम बिलकुल सही दिशा में है। उन्होंने कहा, चीन को अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानना ही होगा। अहलुवालिया ने कहा, हमने देखा है कि उन्होंने अफ्रीका में क्या किया।

हमने देखा कि वे ईरान में क्या कर रहे हैं। सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात है कि उन्होंने हाल में भारत की पीठ में छुरा घोंपा।÷ साथ ही आरोप लगाया कि चीन विभिन्न ग्रेटर वाशिंगटन डीसी इलाके से प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी सुनील सिंह ने भारत में चीनी ऐप प्रतिबंधित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले की प्रशंसा की।

पाकिस्तान के विमानन नियामक ने लाइसेंस घोटाले में 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस भेजा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के विमानन नियामक ने एक बड़े घोटाले के मद्देनजर 262 पायलटों के खिलाफ जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद संदिग्ध उड़ान लाइसेंस होने के संदेह में 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मीडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। पाकिस्तान में पायलट लाइसेंस को लेकर यह घोटाला 22 मई को कराची में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच के दौरान सामने आया। इस हादसे में 97 लोग मारे गए थे। जांच में पाया गया कि पाकिस्तान के लगभग एक-तिहाई पायलटों ने परीक्षा में नकल की लेकिन फिर भी देश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) द्वारा उन्हें लाइसेंस दिए गए । पायलटों के फर्जी दस्तावेजों के बारे में उड्डयन मंत्री के खुलासे के बाद, देश की शीर्ष अदालत ने 21 जुलाई को सीएए को पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' (पीआईए) के पायलटों के खिलाफ तत्काल जांच पूरी करने का काम सौंपा था। 'डॉन न्यूज' की एक रिपोर्ट के अनुसार सीएए द्वारा 262 पायलटों के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद उनमें से 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि सीएए जांच बोर्ड ने 850 पायलटों के परिचय पत्र संदिग्ध पाए, जिनमें से 262 के लाइसेंस ''संदिग्ध'' थे। बोर्ड ने 262 पायलटों के विमान उड़ानें पर फिलहाल रोक लगा दी है और उनमें से 28 पायलटों के लाइसेंस रद्द किए जाने को मंजूरी भी दे दी है। उनमें से 28 पायलटों के लाइसेंस रद्द किए जाने को मंजूरी भी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार जिन 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

उनमें से 140 ने अपने जवाब भेज दिए हैं और उन्हें अलग-अलग समूह में अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए बुलाया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अन्य पायलटों को नोटिस नही भेजे जा सके क्योंकि उनमें से कुछ पायलटों के नाम और उनके पंजीकरण या संदर्भ संख्या मे ''तकनीकी गलतियां'' थीं, जिन्हे ठीक किया जा रहा है।

कश्मीर पर टिप्पणी करना मलेशिया के पूर्व पीएम को पड़ा भारी, ट्विटर पर यूजर्स ने लगा दी क्लास

इंटरनेशन डेस्क।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 खत्म किए जाने की पहली वर्षगांठ पर मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद के ट्वीट किए जाने के बाद दुनियाभर के ट्विटर यूजर ने उनकी जमकर आलोचना की। महातिर ने ट्वीट किया था कि अब जब मैं प्रधानमंत्री नहीं रह गया हूं तो बिना किसी लाग-लपेट के बोल सकता हूं। इस दौरान मैं बायकॉट किए जाने वाली धमकी की परवाह किए बिना कश्मीर मुद्दे को भी उठा सकता हूं। 5 अगस्त को कश्मीर में लॉकडाउन के एक साल हो गए। वहीं ट्विटर यूजर ने महातिर की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और जमकर क्लास भी लगाई। यूजर्स ने कहा कि महातिर ने उइगर मुस्लिमों के उत्पीड़न के खिलाफ क्यों आाज नहीं उठाई। वहीं महातिर बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ भी चुप रहे। बता दें कि सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान महातिर ने कश्मीर का मुद्दा उठाया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। इसके साथ ही महातिर ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (ष्ट) का मुद्दा भी उठाया था। महातिर की इस टिप्पणी के बाद भारत और मलेशिया के बीच राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत जम्मू-कश्मीर के बारे में दिए संदर्भ को पूरी तरह से खारिज करता है जो भारत का अभिन्न अंग है। महातिर की टिप्पणी के बाद साल 2020 में भारत ने मलेशिया से आने वाले पाम आयल के आयात पर बैन लगा दिया था। हालांकि मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहमद ने माना है कि कश्मीर पर उनकी टिप्पणी के कारण भारत के साथ उनके देश के रिश्तों में तनाव आया।

पाकिस्तानी नेता ने फिर खोली पोल: इमरान की मदद से सिंध पर कब्जे की फिराक में पाक सेना

लंदन।

ब्रिटेन में निर्वासित पाकिस्तानी नेता अल्ताफ हुसैन ने एक बार फिर इमरान खान सरकार और पाक सेना के कुटिल इरादों की पोल खोली है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने कहा कि पाकिस्तानी सेना अब इमरान सरकार की मदद से पूरे सिंध पर कब्जा कर उसे सैन्य उपनिवेश बनाने का मंसूबा पाले हुए है। उन्होंने सिंध रेंजर्स के उस बयान की कड़ी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रविरोधी तत्व छिपकर हमले कर रहे हैं। सिंध के डीजी रेंजर्स उमर अहमद बोखर के नाम खुले पत्र में अल्ताफ ने याद दिलाया कि सिंध के नागरिकों और एमक्यूएम नेताओं पर पाकिस्तानी सेना किस तरह जुल्म ढाती रही है। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि 1992 में 19 जून की रात एमक्यूएम के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी रात नरसंहार शुरू हुआ और एमक्यूएम कार्यकर्ताओं को अमानवीय यातनाएं दी गईं। कइयों को तो मौत के घाट उतार दिया गया। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि अब भी वे अमानवीय बर्ताव करने वाले हैं और बुनियादी मानव अधिकारों की भी धज्जियां उड़ा देंगे। अल्ताफ का यह पत्र रेंजर्स प्रवक्ता के बयान की प्रतिक्रिया में आया है।

संक्षिप्त समाचार

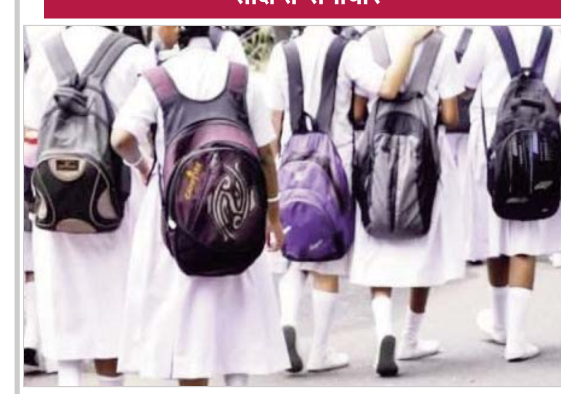

कोविड-19 : श्रीलंका में चार महीने से बंद स्कूल पूरी तरह से खुले

कोलंबो। श्रीलंका में कोरोना वायरस की महामारी को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से करीब चार महीने से बंद स्कूल सोमवार से दोबारा पूरी तरह से खोल दिए गए। श्रीलंका में मार्च मे मध्य में कोविड-19 का पहला मरीज सामने आने के साथ सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया था। जुलाई में कुछ चुनिंदा कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को खोला गया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही कोरोना वायरस के नये मामले सामने आने की वजह से इन्हें बंद कर दिया गया। शिक्षा सचिव एनएचएम चित्रनंदा ने बताया, ''सभी स्कूलों को आज दोबारा खोल दिया गया है और संबंधित कक्षाएं सामाजिक दूरी के आधार पर शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि 200 से कम विद्यार्थियों वाले स्कूल मार्च में महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन से पहले की तरह संचलित होंगे। वह पूर्व की तरह कक्षाएं संचालित करेंगे। उन्हें विद्यार्थियों के बीच एक मीटर की सामाजिक दूरी का अनुपालन करना होगा। उन्होंने कहा कि वे स्कूल जिनमें 200 से अधिक विद्यार्थी हैं उन्हें फैसला करना होगा कि स्वास्थ्य दिशानिर्देश के तहत सामाजिक दूरी का अनुपालन करने के लिए किस कक्षा के विद्यार्थी किस दिन स्कूल आएंगे। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों में मौजूद कैंटीन को स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा कोविड-19 के नियंत्रण में होने की पुष्टि होने तक खोलने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों को दोबारा खोलने का फैसला श्रीलंका द्वारा कोरोना वायरस के सामुदायिक स्तर पर संक्रमण को सफलापूर्वक नियंत्रित करने के बाद लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका में समुदाय स्तर पर संक्रमण का एक भी मामला 30 अप्रैल के बाद से नहीं आया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि महामारी का खतरा अभी टला नहीं है। गौरतलब है कि श्रीलंका में कोरोना वायरस से संक्रमण के 2,844 मामले सामने आए हैं जिनमें स 2,579 संक्रमित ठीक चुके हैं जबकि 11 लोगों की मौत हुई है।

चीन में स्थानीय तौर पर वायरस के प्रसार के मामलों में कमी आई

बीजिंग। चीन में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के स्थानीय स्तर पर प्रसार के सिर्फ 14 मामले सामने आए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को बताया कि अन्य देशों से चीन लौटे 35 नागरिक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। ये नागरिक सात अलग-अलग शहरों व प्रांतों में पहुंचे थे। स्थानीय तौर पर प्रसार के सभी मामले शिनजिआंग क्षेत्र के हैं। इसका मुख्य शहर उरूमकी महामारी के प्रकोप का नया केंद्र है। कड़े यात्रा प्रतिबंध, व्यापक जांच और कुछ इलाकों में लॉकडाउन उरूमकी में नए मामलों को कम करने में प्रभावी प्रतीत हो रहा है। चीन में 802 लोगों का इलाज चल रहा है जिनमें से 41 की हालत गंभीर है। चीन में 84,688 मामले सामने आए हैं और 4,634 लोगों की मौत हुई है। हांगकांग में 72 और मामले सामने आए हैं तथा पांच लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में पांच व्यक्तियों की मौत, 10 अन्य घायल

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सीमा से लगे एक पाकिस्तानी नगर के बाजार में सोमवार को हुए शक्तिशाली बम विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार यह विस्फोट बलूचिस्तान प्रांत के चमन नगर में हाजी निदा बाजार में हुआ। पुलिस ने कहा, ''पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।'' हाल के सप्ताहों में प्रतिबंधित संगठनों के आतंकवादियों एवं अलगाववादियों ने आतंकवादी हमले बढ़ा दिये हैं। गत 21 जुलाई को तुरबत बाजार में हुए बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे।

अमेरिका में कोविड-19 के मामले 50 लाख हुए : हॉपकिंस यूनिवर्सिटी तालिका

रोम। अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले रविवार को बढ़कर 50 लाख हो गए जो कि अभी तक दुनिया में किसी देश में सबसे अधिक हैं। यह जानकारी जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी की तालिका से मिली। हालांकि स्वास्थ्य अधिकारियों का मानना है कि जांच की सीमाओं और बड़ी संख्या में कम लक्षण वाले मामलों की पहचान नहीं हो पाने के चलते अमेरिका में यह संख्या इससे कई गुना अधिक या करीब पांच करोड़ के आसपास हो सकती है। अमेरिका में प्रतिदिन करीब 54,000 नये मामले सामने आ रहे हैं। इसके उलट यूरोप में वायरस के मामले कम से कम फिलहाल नियंत्रण में प्रतीत हो रहे हैं। विश्व के सबसे ताकतवर देश अमेरिका द्वारा संक्रमण के मामलों को काबू में रखने में असफलता को यूरोप में हैरानी से देखा जा रहा है। गत फरवरी में जब इटली में संक्रमण के मामलों में अचानक बढ़ोतरी हुई थी तब देश इसे संभालने के लिए तैयार नहीं था। हालांकि देश में 10 सप्ताह के लॉकडाउन, सतर्कता बरतते हुए संक्रमितों की पहचान करने का अभियान और रोम के उत्तर में लेक ब्रेसियानो के किनारे में अपने मित्रों के साथ मास्क लगाकर घूम रही पैत्रिजिया एंतोनिनी ने अमेरिका के लोगों के बारे में कहा, ''क्या वे अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंता नहीं करते? उन्हें और एहतियात बरतने की जरूरत है।

बाजार में आ रहा दुनिया का सबसे महंगा मास्क, कीमत इतनी कि खरीदा जा सकता है हवाई जहाज

इंटरनेशनल डेस्क। इज़राइल में गहने बनाने वाली एक कम्पनी ने दावा किया है कि वह कोरोना वायरस के लिए दुनिया का सबसे महंगा मास्क बना रही है जिसकी कीमत 15 लाख डॉलर होगी। इस कीमत में तो एक छोटा हवाई जहाज खरीदा जा सकता है।डिजाइनर इस्साक लेवी डिजाइनर इस्साक लेवी ने बताया कि 18 कैरट सोने से बने इस मास्क में 3,600 काले तथा सफेद हीरे और एन99 फिल्टर लगा है। एक खरीददार की मांग पर इसे बनाया गया है। 'यवेल कम्पनी के मालिक लेवी ने बताया कि क्रेता की दो और मांगें थीं कि यह साल के अंत तक बन जाए और यह विश्व में सबसे महंगा हो। लेवी ने क्रेता की पहचान उजागर करने से मना कर दिया लेकिन इतना जरूर बताया कि वह अमेरिका में रहने वाले एक चीनी उद्योगपति हैं। लेवी ने क्रेता की पहचान उजागर करने से मना कर दिया लेकिन इतना जरूर बताया कि वह अमेरिका में रहने वाले एक चीनी उद्योगपति हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं कि इस मास्क के जरिए इस बेहद चुनौतीपूर्ण समय में मेरे कर्मचारियों को काम मिला।

जाली लाइसेंस घोटालाः पाकिस्तान एविएशन ने 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस भेजा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के विमानन नियामक ने एक बड़े घोटाले के मद्देनजर 262 पायलटों के खिलाफ जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद संदिग्ध उड़ान लाइसेंस होने के संदेह में 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मीडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। पाकिस्तान में पायलट लाइसेंस को लेकर यह घोटाला 22 मई को कराची में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच के दौरान सामने आया। इस हादसे में 97 लोग मारे गए थे। जांच में पाया गया कि पाकिस्तान के लगभग एक-तिहाई पायलटों ने परीक्षा में नकल की लेकिन फिर भी देश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण द्वारा उन्हें लाइसेंस दिए गए । पायलटों के फर्जी दस्तावेजों के बारे में उड्डयन मंत्री के खुलासे के बाद, देश की शीर्ष अदालत ने 21 जुलाई को सीएए को पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के पायलटों के खिलाफ तत्काल जांच पूरी करने का काम सौंपा था। 'डॉन न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार सीएए द्वारा 262 पायलटों के खिलाफ जांच पूरी करने के बाद उनमें से 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि सीएए जांच बोर्ड ने 850 पायलटों के परिचय पत्र संदिग्ध पाए, जिनमें से 262 के लाइसेंस ''संदिग्ध थे। बोर्ड ने 262 पायलटों के विमान उड़ानें पर फिलहाल रोक लगा दी है और उनमें से 28 पायलटों के लाइसेंस रद्द किए जाने को मंजूरी भी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार जिन 193 पायलटों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनमें से 140 ने अपने जवाब भेज दिए हैं और उन्हें अलग-अलग समूह में अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए बुलाया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अन्य पायलटों को नोटिस नहीं भेजे जा सके क्योंकि उनमें से कुछ पायलटों के नाम और उनके पंजीकरण या संदर्भ संख्या में ''तकनीकी गलतियां थीं, जिन्हें ठीक किया जा रहा है।

दुनिया कोरोना से पस्त : न्यूजीलैंड में वायरस पर लगी लगाम, 100 दिन में कोई नया केस नहीं

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोना वायरस मरीजों का आंकड़ लगातार बढ़ रहा। इस बीच कुछ देशों में कोरोना का सबसे अधिक प्रकोप देखने को मिल रहा है वहीं कुछ देश ऐसे भी हैं जो इस महामारी से उबर चुके हैं। वर्ल्डोमीटर के अनुसार, विश्व में कोरोना संक्रमितों का कुल आंकड़ा बढ़कर 20,0,23,016 पहुंच गया। अब तक कुल मौतें 733,973 हो चुकी हैं। वैश्विक स्तर पर पिछले 24 घंटे में करीब तीन लाख नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, बीमारी से ठीक होने वालों की भी संख्या तेजी से बढ़ रही है। अभी तक 12,897,813 लोग ठीक हो चुके हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना मामलों में सबसे आगे अमेरिका है। अमेरिका में अब तक 5,199,444 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं, जिसमें से 2,664,701 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके अलावा, 2,369,126 लोगों का इलाज जारी है। वहीं, सबसे ज्यादा मौतें भी अमेरिका में ही हुई हैं। यहां अब तक 165,617 लोग वायरस की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड एक मिसाल की तरह उभर कर सामने आया है। यहां पिछले 100 दिनों से घरेलू स्तर पर संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। न्यूजीलैंड में मार्च के अंत में सख्ती से लॉकडाउन लागू कर संक्रमण को पूरी तरह काबू कर लिया गया था। उस समय यहां सिर्फ 100 लोग ही वायरस से संक्रमित थे। न्यूजीलैंड में पिछले 100 दिनों से कम्युनिटी ट्रांसमिशन का कोई नया मामला नहीं आया है। यहां आखिरी बार कम्युनिटी ट्रांसमिशन का केस 1 मई को आया था। न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक देश में अभी भी 23 एक्टिव केस हैं, लेकिन ये सारे वो लोग हैं, जो विदेशों से लौट रहे थे और उन्हें देश की सीमा पर ही रोककर क्वारंटीन कर दिया गया था। भारत, अमेरिका, ब्राजील सबसे ज्यादा कोरोना से पस्त हैं। वहीं चीन, न्यूजीलैंड, स्पेन, थाइलैंड, श्रीलंका, म्यामार, मॉरिशस, आईसलैंड जैसे कई देश इस बीमारी से उबर चुके हैं। दुनिया में हर दिन सबसे ज्यादा मौतें अमेरिका, भारत, ब्राजील और मैक्सिको में हो रही है। वहीं सबसे ज्यादा मामले भारत, अमेरिका, ब्राजील और कोलंबिया में आ रहे हैं. दुनिया के 52 फीसदी मामले सिर्फ देशों (अमेरिका, ब्राजील, भारत) में है। 48 फीसदी मामले बाकी 150 से ज्यादा देशों में है। दुनिया के 14 देशों में कोरोना वायरस ने 24 घंटों में 10 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। सबसे ज्यादा मौतें अमेरिका और ब्राजील में हुई, जहां एक लाख से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई है। मैक्सिको में 50 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई हैं। ब्रिटेन और अमेरिका में 40 हजार से ज्यादा मौतें हुई।

इटली, फ्रांस में 30 हजार से ज्यादा मारे गए। स्पेन, पेरू में 20 हजार से ज्यादा की मौत हुईं। इसके अलावा इरान, रूस, कोलंबिया, साउथ अफ्रीका, चिली में 10 हजार से भी ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

हांगकांग की सबसे बड़ी मीडिया हस्ती जिमी रासुका में गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क। चीन सरकार द्वारा लागू नए सुरक्षा कानून ने अब हांगकांग में की जनता पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसी कानूनव की आड़ में हांगकांग पुलिस ने प्रमुख मीडिया हस्ती जिमी लाय को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गिरफ्तार किया है। ग्लोबल टाइम्स ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। हांगकांग की मीडिया कंपनियों नेक्स्ट डिजिटल और एपल डेली के मालिक लाय देश की राजनीति में लोकतंत्र समर्थक खेमे के समर्थक माने जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 71 वर्षीय लाय को नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत विदेशी ताकतों के साथ संदिग्ध मिलीभगत के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लाय चीनी शासित शहर में सबसे प्रमुख लोकतंत्र कार्यकर्ताओं में से एक हैं और बीजिंग के प्रमुख आलोचक रहे हैं । पिछले दिनों हांगकांग पुलिस ने एक ऑनलाइन पोस्ट की वजह से चार लोगों को गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 72 साल के जिमी के अलावा उनके दोनों बेटों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके करीबी मार्क सिमोन ने ट्विटर पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा जिमी को विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत होने की वजह से गिरफ्तार किया जा रहा है। हांगकांग पुलिस की तरफ से बताया गया है कि अब तक सात लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है। इन सभी पर सुरक्षा कानून के उल्लंघन का आरोप है। हालांकि पुलिस ने इन सात लोगों का नाम बताने से इनकार कर दिया। लाय हांगकांग के लोकप्रिय टेबलॉयड एप्पल डेली के मालिक हैं। इस अखबार को हांगकांग में चीनी सरकार का बड़ा आलोचक माना जाता है। सिमोन ने बताया है कि पुलिस ने लाई और उनके बेटे के घर की तलाशी ली है।

इलेक्ट्रिक कुकर में प्रभावी तरीके से एन-95 मास्क को रोगाणु मुक्त किया जा सकता : वैज्ञानिक

वाशिंगटन।

भारतीय मूल के एक शोधकर्ता सहित वैज्ञानिकों के दल ने एक अध्ययन में दावा किया है कि एन-95 मास्क को 50 मिनट तक इलेक्ट्रिक कुकर में बिना पानी गर्म कर रोगाणु मुक्त किया जा सकता है और इससे मास्क की वायरस से बचाव करने की क्षमता में भी कोई कमी नहीं आती है। इनवायरमेंटल साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी लेटर नामक जर्नल में प्रकाशित शोध के नतीजों के मुताबिक सीमित आपूर्ति होने पर मास्क को सुरक्षित तरीके से बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है जबकि मौजूदा समय में इनका एक बार ही इस्तेमाल किया जाता है। हवा में मौजूद वायरस से युक्त वाष्प की बूंदों और कण से बचाव के लिए एन-95 मास्क सबसे प्रभावी है। इन्हीं से कोविड-19 होने का खतरा होता है। अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय अर्बारना-शैम्पेन में प्रोफेसर थान्ह न्गुयेन ने कहा, '' कपड़े का मास्क या सर्जिकल मास्क पहनने वाले के मुंह से निकलने वाली बूंदों से अन्य लोगों का बचाव करता है लेकिन एन-95 मास्क उन बूंदों को फिल्टर कर पहनने वाले को बचाता है, जिसमें वायरस हो सकते हैं।'' इलिनॉय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विशाल वर्मा ने कहा, '' रोगाणु मुक्त करने के कई अलग-अलग तरीके हैं लेकिन अधिकतर में एन-95 मास्क के विषाणु युक्त वाष्प कणों को छानने की क्षमता नष्ट हो जाती है।'' उन्होंने कहा, '' रोगाणु मुक्त करने की किसी भी प्रक्रिया में मास्क को पूरी सतह को संक्रमण मुक्त करने की जरूरत होती है लेकिन साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उसके फिल्टर करने की क्षमता बनी रहे और इसे पहनने वाले के लिए सुरक्षित रहे। अन्यथा इससे सही सुरक्षा नहीं होगी।'' शोधकर्ताओं ने इलेक्ट्रिक कुकर पद्धति में मास्क को रोगाणु मुक्त करने की संभावना देखी जो स्वास्थ्य कर्मियों के लिए लाभदायक हो सकती है, खासतौर पर छोटे क्लीनिक और अस्पतालों के लिए जहां पर ऊष्मा आधारित रोगाणु मुक्त करने के बड़े उपकरण मौजूद नहीं है।

शोधकर्ताओं ने ऐसी पद्धति की परिकल्पना की जो तीनों मानकों- रोगाणुमुक्त, फिल्ट्रेशन (छानने की क्षमता), फिट (इस्तेमाल करने योग्य)- को बिना किसी विशेष प्रक्रिया अथवा रसायन को छोड़े पूरा करे। वह ऐसी पद्धति की खोज करना चाहते थे जिसका इस्तेमाल लोग अपने घर में कर सकें। इसके मद्देनजर शोध दल ने इलेक्ट्रिक कुकर को लेकर परीक्षण किया, जो लोगों के रसोई घर में उपलब्ध रहता है। शोधकर्ताओं ने इसकी पुष्टि की कि कुकर में 50 मिनट तक 100 डिग्री सेल्सियस पर मास्क को गर्म करने से कोरोना वायरस सहित चार तरह के वायरस नष्ट हो जाते हैं। यह पैराबैंगनी रोशनी से रोगाणु मुक्त करने की पद्धति से भी अधिक प्रभावी है। एन-95 मास्क से गुजरने वाले कणों की गणना की। हमने पाया कि 20 बार इलेक्ट्रिक कुकर में रोगाणु मुक्त करने की प्रक्रिया किए जाने के बावजूद मास्क ठीक से काम कर रहा था।'' वर्मा ने बताया, ''एयरोसोल (हवा में मौजूद वाष्प कण) जांच प्रयोगशाला में चैम्बर बनाया और उसमें एन-95 मास्क से गुजरने वाले कणों की गणना की। हमने पाया कि 20 बार इलेक्ट्रिक कुकर में रोगाणु मुक्त करने की प्रक्रिया किए जाने के बावजूद मास्क ठीक से काम कर रहा था।''

वर्मा ने बताया, ''एयरोसोल (हवा में मौजूद वाष्प कण) जांच प्रयोगशाला में चैम्बर बनाया और उसमें एन-95 मास्क से गुजरने वाले कणों की गणना की। हमने पाया कि 20 बार इलेक्ट्रिक कुकर में रोगाणु मुक्त करने की प्रक्रिया किए जाने के बावजूद मास्क ठीक से काम कर रहा था।'' शोधकर्ताओं ने कहा कि मास्क को बिना पानी कुकर में गर्म किया जाना चाहिए न कि पानी में। कुकर के तल पर एक छोटी तौलिया रखनी चाहिए ताकि मास्क सीधे गर्म धातु के संपर्क में नहीं आए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में मास्क नहीं लगाने पर मंगलवार से लगेगा 1000

गुजरात में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों को देखते हुए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला किया हैं। मंगलवार से मास्क नहीं पहनने पर रु. 1000 का जुर्माना लगाया जाएगा। गुजरात हाईकोर्ट के आदेश का मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्वीकार करते हुए अब रु. 500 के बजाए 1000 रुपए जुर्माना लगाने का फैसला किया हैं। सोमवार को पत्रकार परिषद में इसका ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट के

आदेश पर राज्य सरकार ने मंगलवार से मास्क नहीं पहनने पर रु. 1000 जुमा.ना वसूला जाएगां। मुख्यमंत्री ने गुजरात के नागरिकों से अपील की है कि जन्माष्टमी समेत अन्य त्यौहारों पर भीड़भाड़ से बचें । क्योंकि कोरोना संक्रमण ऐसी भीड़भाड़ में तेजी से फैलता है और इससे बचने के लिए सभी लोग अपने घर में त्यौहार मनाएं।

इस साल जन्माष्टमी पर द्वारकाधीश का दर्शन नहीं कर

अहमदाबाद (**क्रांति समय सुरत**) कोरोना संकट के चलते इस वर्ष जन्माष्टमी पर श्रद्धालु देवभूमि द्वारका स्थित भगवान द्वारकाधीश के दर्शन नहीं कर पाएंगें।

जन्माष्टमी पर्व पर द्वारकाधीश मंदिर आज से 13 अगस्त तक श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा।

देवभूमि द्वारका जिला कले.क्टर ने कोरोना संक्रमण न बढ़े, इसलिए इस साल जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं के लिए द्वारकाधीश मंदिर बंद रखने का आदेश दिया है।

हांलाकि भगवान श्रीकृष्ण 5247वां जन्मोत्सव मंदिर मनाया जाएगा और श्रद्धालुओं पूरे महोत्सव का ऑनलाइन दर्शन कर सकेंगें।

द्वारकाधीश मंदिर के पुजारी प्रणव ठाकर ने बताया कि आज से 13 अगस्त तक श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट बंद हो चुके हैं।

हांलाकि जन्माष्टमी के दिन भगवान की सेवा पूजा की परंपरा में कोई फेरबदल नहीं किया गयां।

सुबह 6 बजे से पारंपरिक पूजा विधि शुरू होगी और रात 12 बजे

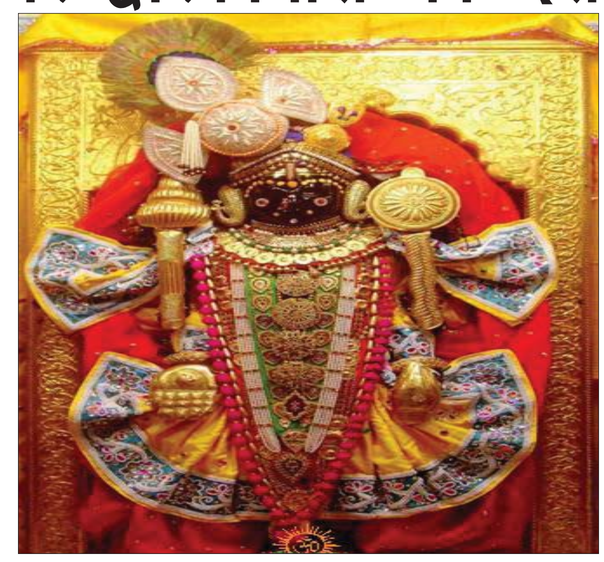

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

प्रणव ठाकर ने बताया कि सुबह 6 बजे मंगला आरती, 8 बजे स्नान और अभिषेक, सुबह 11 बजे श्रृंगार आरती, शाम 5 बजे उत्थापन, शाम 7.30 बजे संध्या आरती, रात 8.30 बजे शयन आरती, रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और आरती और रात 2 बजे शयन आरती होगीं।

जन्माष्टमी पर द्वारकाधीश मंदिर में होनेवाले सभी कार्यक्रमों का श्रद्धालु ऑनलाइन दर्शन कर

कांग्रेस ने "मुख्यमंत्री किसान सहायतायोजना" को बताया नई लॉलीपॉप

अहमदाबाद (**क्रांति समय सुरत**) गुजरात कांग्रेस ने जारी वर्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रद्द करने के राज्य सरकार के ऐलान को किसानों के गाल पर थप्पड़ बताया और मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना को लॉलीपॉप करार दिया है।

गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाड़िया ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 6 साल से लागू प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना निजी बीमा कंपनियों को लाभ कराने और किसानों को नुकसान पहुंचाने वाली थीं। देशभर में भाजपा की करीबी 10 निजी कंपनियां किसानों से वार्षिक 27000 करोड़ वसूल करती थीं, जिसमें 70 फीसदी रकम डकार कर किसानों को ठेंगा दिखाती थीं। ये कंपनियां गुजरात में 2500 से 3000 करोड़ रुपए प्रीमियम किसानों से वसूल करती थीं। उन्होंने कहा कि किसानों को उम्मीद थी कि पीएम मोदी की सरकार ने 2015–16 में शुरू की इस भ्रष्टाचारी योजना के बदले प्रधानमंत्री राजीव गांधी राष्ट्रीय फसल बीमा योजना पुनः शुरू की जाएगी।

लेकिन गुजरात की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रद्द कर किसानों के गाल पर करारा तमाचा जड़ा है।

भाजपा ने पहले बीमा कंपनियों का फायदा कराया और उसके बाद योजना को ही रद्द कर दिया। मोढवाडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना को लॉलीपॉप बताते हुए कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा ने किसानों को डेढ गुना दाम दिलाने का वादा किया थाद्य जिसे वह आज तक पूरा नहीं कर पाई।

राज्य के किसानों के लागत खर्च के मुकाबले आय आधी हो गई है। प्रति बीघा 3200 रुपए देने पर सवाल उठाते हुए मोढवाडिया ने कहा कि किसानों को प्रति बीघा रु. 20000 दिया जाना चाहिए।

उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की योजना के मुताबिक गुजरात के किसानों को सहायता देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना वापस लेने की मांग की।

उपचुनाव से पहले कांग्रेस के 300 कार्यकर्ता भाजपा शामिल

डांग (क्रांति समय सुरत), डांग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मंगल गावित के इस्तीफे के बाद कांग्रेस को उपचुनाव से पहले एक और झटका लगा है। डांग जिले के 300 से ज्यादा कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल है। गुजरात सरकार के मंत्री गणपत वसावा ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। मंगल गावित के विधायक पद से इस्तीफे के बाद कांग्रेस को यह एक और बड़ा झटका लगा है।

बता दें कि गुजरात में राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के 8 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया थां। रिक्त सीटों पर होनेवाले उपचुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हार्दिक पटेल और विपक्ष के नेता परेश धानाणी प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कार्यकर्ताओं का अभिप्राय जान रहे हैं। दूसरी ओर डांग में 300 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भाजपा में शामिल होकर कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है।

राज्य के बोर्ड–निगमों के चेयरमैनों की नियुक्त जल्द करेगी सरकार

अहमदाबाद (क्रांति समय सुरत), गुजरात सरकार जारी महीने में ही राज्य के बोर्ड–निगमों में चेयरमैनों की नियुक्ति कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को राज्य के 45 बोर्ड–निगमों में चेयरमैन नियुक्त करने का आदेश दिया है।

गुजरात भाजपा के विधायकों में असंतोष खत्म करने और चुनाव प्रमुख सीआर पाटील और राजस्व मंत्री कौशिक पटेल शामिल हैं। अमित शाह और जेपी नड्डा समेत 6 सदस्यों की समिति 45 बोर्ड–निगमों के चेयरमैनों की सूची तैयार करेगीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंजूरी के बाद चेयरमैनों के नाम का ऐलान किया जाएगा। संभवतः अगस्त महीने के अंत तक बोर्ड–निगमों के चेयरमैनों की नियुक्त कर दी जाएगी।

पहले उन्हें सक्रिय करने के लिए पीएम मोदी ने बोर्ड–निगमों में नियुक्ति का फैसला किया है। इसके लिए पीएम मोदी ने 6 सदस्यों की एक समिति भी बनाई है।

जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मख्यमंत्री नितिन पटेल, गुजरात प्रदेश भाजपा

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस से भाजपा में आए और चुनाव हारे नेताओं को 8भी बोर्ड–निगम में स्थान मिलेगा। इसके अलावा संगठन के महत्वपूर्ण पद भी उन्हें दिया जाएगा। फिलहाल 45 में से 25 बोर्ड–निगमों में विधायकों को चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। बोर्ड–निगमों में चेयरमैन की नियुक्ति के बाद प्रदेश संगठन का ऐलान किया जाएगा।

एशियाई शेरों के संवर्धन और विरासत की जतन के लिए कटिबद्ध है सरकारः मुख्यमंत्री

विश्व शेर दिवसः रूपाणी ने गिर जंगल के कर्मयोगियों के साथ एशियाई शेरों को लेकर किया संवाद

अहमदाबाद (क्रांति समय सुरत),मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि समूचे एशिया में एकमात्र गुजरात में पाए जाने वाले एशियाई शेरों के संवर्धन और उसकी विरासत की जतन के लिए राज्य सरकार पूर्णतः कटिबद्ध है। 10 अगस्त को विश्व शेर दिवस के अवसर पर गिर जंगल के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ), क्षेत्रीय वन अधिकारी (आरएफओ) और बीट गार्ड के साथ संवाद करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि गुजरात में शेरों की आबादी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो गुजरात सरकार की गिर के शेरों के संवर्धन और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि 10 अगस्त को दुनिया भर में विश्व शेर दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सोमवार को गांधीनगर से सीएम डैशबोर्ड के जरिए गिर जंगल के डीएफओ, आरएफओ और बीट गार्ड के साथ एशियाई बब्बर शेरों के संबंध में गहराई से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सहित पूरे एशिया में एशियाई शेरों की

सर्वाधिक आबादी सासण गिर, गुजरात में पाई जाती है। गुजरात एशियाई शेरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। हम सभी को साथ मिलकर एशियाई शेरों का जतन, संवर्धन और सुरक्षा कर उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। विशेषकर मानसून सीजन में शेरों में किसी प्रकार का संक्रमण न फैले उसके लिए सघन व्यवस्था कर शेरों का जतन करना होगा। रूपाणी ने विश्व शेर दिवस के अवसर पर गिर जंगल में रात–दिन शेरों की रक्षा में जुटे डीएफओ, आरएफओ और बीट गार्ड को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री के साथ संवाद में गिर के डीएफओ डॉ. मोहनराय ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष 10 अगस्त, विश्व शेर दिवस के अवसर पर शेरों को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से सासण गिर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कोरोना महामारी के कारण विश्व शेर दिवस का समारोह डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए आयोजित किया गया है, जिसमें गुजरात और भारत के अन्य क्षेत्रों सहित अफ्रीका और विभिन्न देशों के एशियाई शेर प्रेमी जुड़े थे। उन्होंने कहा कि एशियाई शेर हमारा परिवार हैं। उनके संवर्धन के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। मानसून की सीजन में संक्रामक रोगों का फैलाव रोकने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और विभिन्न स्थानों पर रेस्क्यू सेंटर शुरू कर शेरों की लगातार निगरानी की जा रही है।

विजय रूपाणी ने मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना की घोषणा की अब बिना प्रीमियम भरे राज्य के किसानों को मिलेगा नुकसान का मुआवजा

अहमदाबाद (**क्रांति समय सुरत**),मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सोमवार को गांधीनगर में राज्य के लाखों किसानों के व्यापक हित में मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना की घोषणा की है। उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, कृषि मंत्री आर. सी. फल्दु, राज्य मंत्री जयद्रथसिंह परमार और मुख्य सचिव अनिल मुकीम की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने इस योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि खेती में विशेषकर खरीफ सीजन में बारिश की अनियमितता किसानों के आर्थिक नुकसान का मुख्य कारक है। प्राकृतिक आपदा के ऐसे मौके पर किसानों को होने वाले नुकसान के लिए पारदर्शी और सरल पद्धति जिसमें राज्य के सभी किसानों का समावेश हो और नुकसान उठाने वाला कोई किसान वंचित न रह जाए उस ध्येय के साथ खरीफ सीजन में प्राकृतिक आपदा से हुए फसल नुकसान के समक्ष किसानों को सरलता से लाभ प्रदान करने के लिए तमाम फसलों और राज्य के हर क्षेत्र को शामिल करते हुए यह योजना लागू करने का राज्य सरकार ने निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ राज्य के छोटे–बड़े और सीमांत समेत राज्य के लगभग 56 लाख से अधिक किसानों को मिलेगा। यही नहीं, इस योजना के लिए किसान को कोई प्रीमियम भी नहीं देना होगा। इस सरल और पारदर्शी योजना पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल बीमा योजना में जो किसान प्रीमियम जमा करते थे केवल उन्हें ही लाभ मिलता था। अब, मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना के अंत.र्गतबिना प्रीमियम दिए ही सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के लाभों को यथावत रखते हुए मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस योजना की विस्तृत जानक.ारी मीडिया को देते हुए कहा कि इस योजना के अंतर्गत तीन तरह के जोखिमों को कवर करते हुए सहायता देने का दृष्टिकोण है। जिसके अनुसार सूखा, अतिवृष्टि यानी भारी वर्षा और मावठ अर्थात बेमौसम बारिश के जोखिमों से हुए फसल नुकसान को सहायता के लिए पात्र माना जाएगा। इन तीनों जोखिमों के खिलाफ सहायता के मानकों और अन्य विवरणों का उन्होंने ब्यौरा दिया।

सूखा (अकाल) की स्थिति में : जिन तहसीलों में चालू सीजन की 10 इंच से कम बारिश हुई हो या राज्य में मानसून शुरू होने से लेकर 31 अगस्त तक की अवधि में दो बारिश के बीच लगातार चार सप्ताह (28 दिन) तक बारिश न हुई हो यानी कि शून्य बरसात हो तथा खेत में बोईगई फसल को नुकसान पहुंचा हो तो उसे सूखे का जोखिम माना जाएगा।

अतिवृष्टि या भारी बारिश की स्थिति में : तहसील को यूनिट मानते हुए अतिवृष्टि की स्थिति में जैसे कि बादल फटना या लगातार भारी बारिश जिसमें दक्षिण गुजरात क्षेत्र के जिलों (भरुच, नर्मदा, तापी, सूरत, नवसारी, वलसाड़ और डांग) के लिए 48 घंटे में 35 इंच या उससे अधिक और उसके अलावा राज्य के अन्य सभी जिलों में 48 घंटे में 25 इंच या उससे अधिक बारिश राजस्व तहसील के रेन गेज (वर्षामापी यंत्र) के अनुसार दर्ज हुई हो और खेत में बोई गई खड़ी फसल को पहुंचे नुकसान को अतिवृष्टि का जोखिम माना जाएगा। मावठ या बेमौसम बारिश की स्थिति में : 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक राजस्व तहसील के रेन गेज में लगातार 48 घंटों के दौरान 50 मिमी या अधिक बारिश गिरने और खेती की फसल को खेत में नुकसान पहुंचे तो वह मावठ या बेमौसम बारिश का जोखिम माना जाएगा।

योजना के किसान लाभार्थी की पात्रता के बारे में जानकारी देते हुए रूपाणी ने कहा कि पूरे राज्य में राजस्व रिकार्ड में दर्ज सभी 8–अ धारक किसान खातेदार तथा वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत सनद धारक किसान लाभार्थी माने जाएंगे। खरीफ–2020 में योजना कार्यान्वित की जाएगी। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों द्वारा खरीफ सीजन में बुवाई की हुई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना की सहायता के मानकों के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ सीजन में 33 से 60 फीसदी फसल नुकसान होने पर 20,000 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अधिक से अधिक 4 हेक्टेयर की सीमा में सहायता मिलेगी। इसी तरह, खरीफ सीजन में 60 फीसदी से अधिक फसल नुकसान पर 25,000 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अधिक से अधिक 4 हेक्टेयर की सीमा में सहायता मिलने पात्र होगी। इस योजना के महत्वपूर्ण प्रावधानों के संबंध में रूपाणी ने कहा कि इस योजना के अलावा जिन किसानों को एसडीआरएफ योजना के प्रावधानों के अनुसार लाभ मिलने पात्र होगा तो वह भी मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)